केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 226 गुरूवार 7 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डा. वी.के. वर्मा के पिता के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक एवं पटेल एसएमएच पैरा मेडिकल कालेज गोटवा के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा के वयोवृद्ध पिता श्यामलाल वर्मा का बुधवार 6 मार्च 2024 की शाम को आकस्मिक निधन हो गया। डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि अंतिम संस्कार 7 मार्च गुरूवार को किया जायेगा।

डा. वर्मा के पिता श्यामलाल वर्मा के निधन से शोक की लहर है।

महिला दिवस पर श्रीकृष्णा मिशन में महिलाओं को मिलेगा निःशुल्क परामर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को महिलाओं के लिए निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श एवं ओपीडी की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

आगामी 8 मार्च दिन शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल ने पहल करते हुए महिलाओं को निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके बाबत विस्तार से जानकारी देते हुए श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के चैयरमैन बसंत चौधरी ने बताया कि महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल की वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सोमा सा गुप्ता द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के लिए ग्रामीण व शहरी अंचलों में श्रीकृष्णा मिशन हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क कैंप लगाया जा रहा है जिससे महिलाएं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे।

शिक्षकों को बताया पढाने का आधुनिक तरीका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली (संतकबीरनगर)। ब्लाक संसाधन केंद्र पौली के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी) प्रशिक्षण का द्वितीय बैच के दूसरे दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रार्थना सभा से हुआ। इसके पश्चात प्रशिक्षक शिक्षको को पढाने के विविध तरीके बाताताएं। आधारशिला क्रियान्वयन एवं संदर्शिका के उपयोग, साप्ताहिक व वार्षिक कैलेंडर सहित पाठ्यक्रमो को विस्तार से समझाया। साथ ही साथ बीच बीच गतिविधि भी कराया गया और बच्चो को भी कक्षा कक्ष मे पढाते समय अवश्य कराने का निर्देश दिया गया। संदर्भदाता एआरपी राजेंद्र यादव, हरीराम यादव, अजय कुमार, राजेश गुप्ता व दिलीप कुमार ने भाषा–गणित पर जोर दिया। एफएलएन के पाठ्यक्रमो को बिंदुवार व्याख्यान करते व्यवहारिक रूप से अपनाने पर बल दिया। प्रशिक्षण में दीपक यादव, विनय कुमार, राममोहन शुक्ला, नित्यानंद, अनिल कुमार, देवेंद्र, मो उमर, शशिभूषण, मनोज कुमार, पराग सिंह, राघवेंद्र, राजन सिंह, नितेश सिंह, विजय कुमार, मुमताज, इफ्तेखार अहमद,एकता गोस्वामी, रुपाली बर्मा, चंद्रावती, प्रतिमा पाल, माया सिंह, नीलम, अनीता, वीवो खातून, रेखा गुप्ता सहित तमाम शिक्षक व शिक्षा मित्र उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह को अपहरण और रंगदारी में सात साल के कैद की सजा

जौनपुर (आभा)। पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह को अपहरण और रंगदारी के मामले में जौनपुर की अदालत ने सात साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दो लाख का जुर्माना भी लगाया है। धनंजय पर नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर का अपहरण कर धमकी देने और रंगदारी मांगने का आरोप साबित हुआ है। एक दिन पहले मंगलवार को विशेष न्यायाधीश एमपीएमलए कोर्ट शरद त्रिपाठी ने मामले पर सुनवाई करते हुए धनंजय सिंह को दोषी करार दिया था धनंजय के साथ ही उनके साथी को भी सात साल की सजा और दो लाख जुर्माना लगाया गया है। सजा सुनाने के बाद तुरंत बाद धनंजय सिंह को दोबारा जेल भेज दिया गया। हिस्ट्रीशीटर रहे धनंजय सिंह पर पहले से कई आपराधिक केस चल रहे हैं लेकिन सजा पहली बार किसी मामले में सुनाई गई है। धनंजय सिंह कई बार विधायक और 2004 में बसपा के टिकट पर सांसद चुने गए थे। इस बार भी लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था। अब सजा के कारण उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। दो साल या इससे ज्यादा की सजा पाने वाले को चुनाव लड़ने पर पाबंदी है। ऐसे में धनंजय सिंह को अब हाईकोर्ट से उम्मीद है।

उनके वकील ने फैसले की कापी मिलते ही हाईकोर्ट में अपील की बात कही है। हाईकोर्ट से तत्काल कोई राहत नहीं मिलती तो कम से कम इस लोकसभा चुनाव में धनंजय का उतरना मुश्किल हो जाएगा।

त्याग पत्र के बाद दे दिया नौकरी, कांग्रेस नेता ने किया जांच और प्रभावी कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता साधूसरन आर्य ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर सिंचाई विभाग में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के पद नलकूप चालक पद पर अपने स्तर से ही अधिशासी अभियन्ता द्वारा त्याग पत्र दे दिये जाने के बाद पुनः नलकूप चालक को दोबारा नियुक्त किये जाने के मामले में त्वरित कार्यवाही की मांग किया है।

साधूसरन आर्य ने ज्ञापन देने के बाद बताया कि इस प्रकरण में अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड ई. लालचन्द ने त्यागपत्र और पुनः नियुक्ति के सम्बन्ध में अलग– अलग आदेश दिये हैं जो विभागीय नियमों के साथ खुला मजाक है। जांच अधिकारी अधीक्षण अभियन्ता नलकूप मण्डल गोरखपुर भी इस मामले में चुप्पी साधे हुये हैं। उन्होने बताया कि पूर्व में भी उनके द्वारा ज्ञापन दिया गया था और इस सम्बन्ध में अधीक्षण अभियन्ता नलकूप मण्डल गोरखपुर ने रजिस्टर्ड पत्र भेजकर कहा कि नोटरी शपथ पत्र के साथ विन्दुवार आख्या और साक्ष्य दिया जाय जिससे इस प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जा सके। ज्ञापन देने के बाद साधूसरन आर्य ने बताया कि पत्र के आधार पर अधीक्षण अभियन्ता नलकूप मण्डल गोरखपुर को 19 जुलाई 2023 को ही पूर्ण विवरण शपथ पत्र के साथ भेज दिया गया, इसके बावजूद अभी तक नलकूप चालक पद पर त्याग पत्र देने के बावजूद पुनः संतकबीर नगर जनपद में अधिशासी अभियन्ता द्वारा नियुक्ति कर लिये जाने पर अधिकारी चुप्पी साधे हुये हैं। उन्होने मांग किया कि समूचे प्रकरण की जांच कराकर नियम विरूद्ध ढंग से त्याग पत्र के बाद नलकूप चालक की नियुक्ति करने वाले अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। चेतावनी दिया कि यदि प्रकरण में शीघ्र कार्रवाई न हुई तो वे लोकतांत्रिक ढंग से धरना प्रदर्शन के साथ ही आन्दोलन करने को बाध्य होंगे।

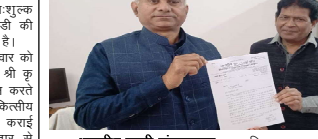

नगर पंचायत नगर में सिटिजन चार्टर लागू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार से नगर पंचायत नगर में सिटिजन चार्टर लागू हो गया। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने इसका विधिवत शुभारंभ करते हुए कहा कि अब नगर पंचायत सम्बन्धी कार्यों और शिकायतों के निस्तारण के दिवस निश्चित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह नागरिक सुविधाओं का घोषणा पत्र है जिसका लाभ आम आदमी को मिलेगा। श्रीमती राना ने कहा कि आवेदन पत्रों और शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएंगी। पूर्व ब्लाक प्रमुख भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि नागरिक अधिकारों को बढ़ाना लोकतंत्र का सम्मान है। उन्होंने कहा कि अमर शहीद की पवित्र भूमि नगर पंचायत नगर को देश के नक्शे पर स्थापित करना हम सभी का दायित्व है। श्री राना ने इसे विकसित भारत संकल्प यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। इस अवसर पर सभासद संजय सोनकर, विजय जायसवाल, राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी,राम सजन यादव, नियाज अहमद, बिंदूलाल, तुलसीराम, अखिलेश यादव, विजय सहनी, दिनेश चौरसिया, बिरेंद्र कुमार, यशराज के० के०,संदीप कुमार, सत्यराम निषाद, देवेश धर द्विवेदी, राकेश पाण्डेय, भाजपा नेता डा अनिल श्रीवास्तव, नागेंद्र सिंह, राकेश पाण्डेय, धर्म प्रकाश श्रीवास्तव, देवेश धर द्विवेदी, दिलीप शर्मा, शतीश मिश्रा,सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डीएम ने रेड क्रास सोसायटी के दान पात्र में सहयोग कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने रेड क्रॉस सोसायटी के दान पात्र में आर्थिक सहयोग किया। कहा कि रेडक्रास संकट के समय अनेक माध्यमों के द्वारा पीड़ितों की सेवा और सहयोग करता है। लोगो को रेडक्रास का आर्थिक सहयोग करना चाहिये। उन्होने दान पात्र को सील कर रेडक्रास पदाधिकारियों को सौंपा।

रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव सरदार कुलवेन्द्र सिंह ने जिलाधिकारी को बताया कि रेडक्रास लखनऊ द्वारा दान पात्र भेजा गया है। पूरा प्रयास होगा कि जन सहयोग का कम जारी रहे और प्रदेश में बस्ती का आर्थिक सहयोग प्रथम स्थान पर रहे।

इस अवसर पर काजी फरजान, कुलदीप सिंह, अब्दुल हलीम, लाडले हैदर रिज्वी, सिद्धांत मिश्रा, रशिम अग्रवाल,सरदार दिपेंद्र सिंह एडवोकेट व आयूष सिंह आदि मौजूद रहे। ऐस्प्रा ज्वेल्र्स की रश्मि अग्रवाल ने दान कर हौसला बढाया।

मण्डलायुक्त ने दिया क्षतिग्रस्त रेलवे स्टेशन रोड के निर्माण का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष/ मंडलायुक्त अखिलेश सिंह ने क्षतिग्रस्त स्टेशन रोड को ठीक कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। आयुक्त सभागार में आयोजित विकास प्राधिकरण की 12वीं बोर्ड बैठक में उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा निर्वाचन की घोषणा होने से पूर्व यह कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि पार्किंग का दुरुपयोग करने वाले माल/संस्थानों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने प्राधिकरण की आय बढ़ाने के लिए प्रवर्तन कार्य में तेजी लाने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने प्राधिकरण द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा किया तथा इन्हें समय से पूरा करने का भी निर्देश दिया है।

प्राधिकरण के अध्यक्ष ने कहा कि कॉलोनी विकसित करने के लिए भूमि बैंक तैयार किया जाए। इसके लिए प्राइवेट कॉलोनाइजर्स को भी प्रेरित किया जाए ताकि आवासीय कॉलोनी विकसित की जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि नजूल रजिस्टर में रिक्त दिख रही भूमि का सत्यापन कराया जाए तथा उस पर राज्य सरकार की भूमि होने का बोर्ड लगाया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि शासन से स्टांप ड्यूटी के मद में प्राप्त होने

वाली लगभग 4 करोड़ की धनराशि के लिए पत्राचार किया जाए। इसी प्रकार सीड कैपिटल प्राप्त करने के लिए भी पत्र व्यवहार किया जाए। उन्होंने अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाने के लिए प्रवर्तन कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध रूप से नई कॉलोनी विकसित न होने पाए। निजी कालोनी विकासकर्ताओं को प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत करने के लिए प्रेरित किया जाए।

बैठक में प्राधिकरण के सचिव/एडीएम कमलेश चंद्र ने बताया कि पूर्व में विनियमित क्षेत्र द्वारा स्वीकृत 100 मानचित्रो का परीक्षण कराया गया है, जिसमें से 12 प्रकरणों में शमन की कार्यवाही की गई है तथा इसके सापेक्ष प्राधिकरण को रुपया 2.10 करोड़ की आय हुई है। उन्होंने बताया कि इसके लिए दोषी विनिमित क्षेत्र के तत्कालीन अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु शासन को पत्र भेजा जा चुका है। मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि अवशेष मानचित्रो का परीक्षण कराकर प्राथमिकता के आधार पर शमन की कार्यवाही पूरी की जाए। उन्होंने निर्देश दिया है कि आचार्य रामचंद्र शुक्ल पुस्तकालय एवं टाउन क्लब के संचालन के लिए शीघ्र डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करें। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी के सुझाव पर इसे हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी के रूप में परिवर्तित करने के लिए भी कार्यवाही की जाएगी।

समीक्षा में उन्होंने पाया कि शास्त्री चौक के रख–रखाव के लिए एश्प्रा डेवलपर्स तथा बड़ेबन चौराहा को विकसित करने के लिए बीटेक चायवाला को हस्तगत किया गया है। मुख्यालय के अन्य चौराहों को भी सुसज्जित करने के लिए बैंकों से संपर्क किया जा रहा है। बैठक में नामित सदस्य यशवंत सिंह ने सेंट बेसिल स्कूल की अवशेष लगभग 400 मीटर की सड़क पूरा करने के लिए सुझाव दिया। नामित सदस्य श्रीमती रूपम श्रीवास्तव ने आचार्य रामचंद्र शुक्ल लाइब्रेरी के सुचारू रूप से संचालन के लिए सुझाव दिया। नामित सदस्य प्रेम सागर तिवारी ने स्टेशन रोड तथा मालवीय रोड को गड्ढमुक्त करने के लिए सुझाव दिया।

प्राधिकरण के प्रभारी अधिशासी अभियंता संदीप कुमार ने शासन द्वारा भवन निर्माण एवं विकास उप विधि 2008 के संशोधित प्रावधानों की जानकारी दिया। वित्त लेखाधिकारी गुलसनोवर ने बस्ती विकास प्राधिकरण के आय व्यय की जानकारी देते हुए आगामी वर्ष के लिए निर्धारित बजट का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। नगर नियोजक गोरखपुर हितेश कुमार ने विद्युत वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापना के संबंध में शासन के निर्णय की जानकारी दिया। बैठक में अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पांडेय, मुख्य कोषाधिकारी ए.के. प्रजापति, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सत्येंद्र सिंह तथा प्राधिकरण के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

मारपीट में बुजुर्ग की मौत,सात घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र मे बुधवार सुबह सात बजे ग्राम चिल्वानिया में दो सगे भाईयो के बीच निजी रास्ता पटने को लेकर दोनो पक्षों के मारपीट के दौरान एक बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग को बचाने के चक्कर में उसके परिवार के सात लोग घायल हो गए। आनन फानन में पड़ोसी ने निजी साधन से जिला अस्पताल बस्ती ले गया। दूसरा पक्ष मौके से परिवार सहित घर से फरार हो गया। मामले की जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे रूधौली के सीओ सत्येंद्र त्रिपाठी व लालगंज, मुंडेरवा थाना के एसओ सहित तमाम पुलिस बल मौजूद रही।

मृतक प्रवेश सिंह पुत्र जंगबहादुर निवासी चिल्वानिया अपने घर के सामने व अपने भाई राजमणि सिंह के घर के सामने के निजी रास्ता को पाट रहे थे। तभी उनके सगे भाई राजमणि सिंह अपने पत्नी उर्मिला सिंह के साथ पुत्र तेज प्रताप सिंह, विशाल सिंह, शिव प्रसाद सिंह, विवेक सिंह, शिवम सिंह, तेज प्रताप सिंह उर्मिला सिंह के साथ एक राय होकर लाठी, डंडा, पत्थर व कुदाल,सरिया से मरने लगे तभी शोर गुल सुनकर बचाने के

लिए गए प्रवेश सिंह की पत्नी सरोज देवी, पुत्र सोनू सिंह, मंटू सिंह, गोपाल सिंह, पुत्री अतुल सिंह, मंटू सिंह पत्नी बाला सिंह को भी मरने लगे। जिससे प्रवेश सिंह की मौके पर मौत हो गई। और उनका पूरा परिवार घायल हो गया। मौके से राजमणि सिंह सहित पूरा परिवार घर से फरार हो गया। पड़ोसी निजी साधन से जिला अस्पताल बस्ती ले गये

नारी वंदन कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। ब्लाक सभागार में बुधवार को नारी वंदन कार्यक्रम का लाइव प्रसारण ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे व महिलाओं ने सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि परिवारवाद वाले मेरा परिवार ढूढ रहे है। मेरा परिवार भारत के सभी लोग है। देश का हर गरीब, नवजवान, माता बहने ये सब मेरा परिवार है। सच्चाई बताने का मन कर रहा है। होटी सी आयु मे झोला ले कर निकल पड़ा। कुछ डूड रहा था जेब मे एक भी रुपया नही था। इसके बाद भी एक दिन भूखा नही रहा। इस लिए मै सबकी दर्द समझता हूँ। परिवाद महसूस किया था इस लिए देश की माताओं का कर्ज उतार रहा हूँ। महिला स्वयं सहायता समूह राष्ट्र सहायता समूह है।`

दो करोड़ की लागत से संवरेगा उकड़ा का श्रीहनुमान मंदिर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सांसद हरीश द्विवेदी के प्रस्ताव पर भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र के उकड़ा हनुमान मंदिर का चयन उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास विभाग द्वारा वंदन योजनांतर्गत किया गया है। दो करोड़ की लागत से सुसज्जित होगा उकड़ा हनुमान मंदिर।

सांसद हरीश द्विवेदी ने भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा के अनुरोध पर दिनांक 25 अक्टूबर 2023 को उकड़ा हनुमान मंदिर को नगर विकास विभाग द्वारा वंदन योजना के तहत विकसित करने का पहल किया था। भाजपा नेता नितेश शर्मा ने बताया कि योजना के तहत मंदिर परिसर की लाइटिंग, पेयजल, टॉयलेट, साफ–सफाई, बेंच, संपर्क मार्ग, विश्राम स्थल, शेड, पेंटिंग, इंटरलॉकिंग,

परिक्रमा पथ तथा छठ घाट आदि का निर्माण होगा। जिसके लिए प्रदेश सरकार ने दो करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। भाजपा नेता नितेश शर्मा ने इस स्वीकृति पर क्षेत्रवासियों की ओर से सांसद हरीश द्विवेदी का आभार प्रकट किया।

भानपुर नगर पंचायत कार्यालय प्रभारी अविनाश मिश्र मंचल ने बताया कि सांस्कृतिक, पौराणिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के विकास के लिए नगर विकास विभाग द्वारा उकड़ा हनुमान मंदिर तथा सरोवर को 'वंदन' योजना के तहत विकसित करने की स्वीकृति मिली है। शीघ्र शिलान्यास करके विकास कार्य का शुभारंभ होगा।

द्विवार्षिक अधिवेशन में उठे जमीनी मुद्दे राजेश कुमार अध्यक्ष, दुर्गेश कुमार मंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को सिंचाई कालोनी गांवगोड़िया में मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन ऑफ सर्किल आफिसेज सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग का द्विवार्षिक अधिवेशन सम्पन्न हुआ। वक्ताओं ने समस्याओं को विन्दुवार रखा, कहा कि सरकार कर्मचारी हितों के प्रति गंभीर नहीं है। अधिवेशन के बाद दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मंत्री तौलू प्रसाद की देख रेख में सर्व सम्मति से पदाधिकारी चुने गये। राजेश कुमार अध्यक्ष, छट्टू प्रसाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दुर्गेश कुमार मंत्री, राम बाबूराव उपाध्यक्ष, मनोज दूबे संगठन मंत्री, अरविन्द कुमार कोषाध्यक्ष, अशोक कुमार प्रचार मंत्री और मो. शाहिद संरक्षक घोषित किये गये। अध्यक्षता महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने किया।

एसोसिएशन के प्रान्तीय उपाध्यक्ष अशोक कुमार ने अधिवेशन में एकजुटता पर जोर दिया। कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के साथ ही विभागीय हितों के मुद्दों को लेकर संघर्ष की धार बनाये रखना होगा।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रदेश का कर्मचारी कठिन दौर से गुजर रहा है। उसे पूर्व में दी जानी वाली सुविधायें नकदीकरण, एल.टी.सी., कोरोना काल के डेढ वर्ष के अवधि का मंहगाई भत्ता सहित अनेक सुविधायें समाप्त कर दी गई। इन मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रखना होगा।

पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने कहा कि श्रमिक दिवस 1 मई से अधिकारों को लेकर राष्ट्र व्यापी आन्दोलन की रूप रेखा बनायी जा रही है। कहा कि पुरानी पेंशन पर सरकार की हठवादिता जारी है ऐसे में केन्द्र और राज्यों के कर्मचारी मिलकर महाआन्दोलन करेंगे। इसके लिये सहभागिता और एकजुटता बनाये रखना होगा।

द्विवार्षिक अधिवेशन में मुख्य रूप से अम्बिका प्रसाद, राजेश कुमार, पंकज कुमार, राजेन्द्र यादव, उमेश उपाध्याय, प्रेम बिहारी गौड़, अजीत कुमार, जयनेन्द्र पाण्डेय, मनीष कुमार, अरविन्द कुमार, निर्मला देवी, विन्दू देवी, मधुरिका के साथ ही मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन ऑफ सर्किल आफिसेज सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शोषित समाजपार्टी की बैठक में बनी चुनाव की रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को राष्ट्रीय शोषित समाजपार्टी की बैठक पटेल चौक के निकट स्थित एक रेस्टोरेन्ट में जितेन्द्र पाल के संयोजन में सम्पन्न हुई। बैठक में पार्टी के सांगठनिक विस्तार, आगामी लोकसभा चुनाव में भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के निर्देश पर बैठक में आर.के. मौर्य ने कहा कि स्वामी प्रसाद ने कठिन परिस्थितियों में सपा का साथ छोड़कर अपना राजनीतिक दल बनाया है किन्तु पार्टी इण्डिया गठबंधन के साथ है। अंतिम चरण में वार्ता के बाद ही प्रत्याशियों की घोषणा सहमति के बाद किया जायेगा।

आर.के. मौर्य ने कहा कि राजनीति में बहुत से लोग पार्टी छोड़ देते हैं किन्तु पद नहीं छोड़ते किन्तु स्वामी प्रसाद मौर्य ने एम.एल.सी. पद

से त्याग पत्र देकर ईमानदार राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया है। कहा कि दबे कुचले, गरीब, अल्पसंख्यक और बहुजन समाज के लिये पार्टी निरन्तर गतिशील रहेगी और अति शीघ्र संगठन पदाधिकारियों की घोषणा कर दिया जायेगा। जितेन्द्र पाल ने कहा कि पिछले डेढ दशक से वे स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ है। इतने दिनों में अनेक उतार चढाव आये किन्तु मौर्य के साथ वे विचारधारा के स्तर पर जुड़े है। पार्टी जो भी दायित्व सौपेगी उसका निर्वहन किया जायेगा।

बैठक में मुख्य रूप से बीर बहादुर चौधरी, हनुमान प्रसाद मौर्य, राम अधार कुशवाहा, विनय अम्बेडकर, अतुल पाल, अवधेश मौर्य, विक्रम गौतम, आदित्य राना, विशाल राजभर, दिवाकर कुमार, अमित पाल, प्रमोद आर्य, राजेश कुमार, विकास कुमार, अंकुर प्रसाद, रामभवन, सुरजीत राय, मनोज कुमार गौतम, विकास राव, अश्विनी कुमार गौतम, अजय कुमार, विशाल कुमार राजभर के साथ ही राष्ट्रीय शोषित समाजपार्टी के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 मार्च 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

पाकिस्तान में शहबाज

पाकिस्तान आम चुनाव में सेना व तंत्र की मिलीभगत से जिस तरह धांधली हुई, उसे सारी दुनिया ने देखा। इसके बावजूद संख्या बल में जेल में बंद इमरान खान के समर्थक उम्मीदवारों ने बाजी मारी। यही वजह है कि चुनाव के उपरांत सरकार बनाने के जोड़तोड़ में प्रधानमंत्री पद का फैसला चुनाव के चार सप्ताह बाद ही हो सका। लेकिन चुनाव के नतीजे इस तरह आए कि पीएमएल–एन के सुप्रीमो नवाज शरीफ भी प्रधानमंत्री बनने का साहस नहीं जुटा सके। सेना ने पीएमएल–एन के साथ तालमेल बैठाकर लंदन में निर्वासित जीवन बिता रहे नवाज शरीफ को न केवल पाकिस्तान लौटने की इजाजत दी बल्कि उन पर दर्ज मुकदमों को इस स्थिति में पहुंचा दिया ताकि वे चुनाव लड़ सकें। लेकिन सेना व पीएमएल–एन के तमाम प्रयासों के बावजूद नवाज शरीफ के लिए प्रधानमंत्री बनने की स्थितियां नहीं बन सकी। उनकी पार्टी बहुमत से दूर रही। शरीफ राजनीति के पुराने खिलाड़ी हैं और देश में व्याप्त जनाक्रोश को महसूस कर रहे हैं। तभी पार्टी ने नवाज के छोटे भाई शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनाने का फैसला लिया। बहत्तर वर्षीय शहबाज शरीफ की प्रधानमंत्री के रूप में यह दूसरी पारी है। इससे पहले विपक्षी गठबंधन द्वारा इमरान खान को सत्ता से बाहर किये जाने पर भी वे एक साल चार महीने तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। लेकिन उनके खाते में ऐसी कुछ उपलब्धियां नहीं हैं जिनके बूते उनसे सुशासन की उम्मीद की जा सके। पाकिस्तान वर्तमान में जिस आर्थिक संकट से दो–चार है, उससे देश को बाहर निकालना शहबाज शरीफ के लिये आसान नहीं होगा। दरअसल, शहबाज विरोधी दलों के गठबंधन के साथ हुए समझौते के बाद ही प्रधानमंत्री बन सके हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी यानी पीपीपी अपने मुखिया आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति बनाए जाने की शर्त पर शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनाने पर राजी हुई है। इन हालातों के चलते ही नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से अपना हाथ पीछे खींचा है।

बहरहाल, इमरान खान के जेल में होने और नवाज शरीफ की ऊहापोह के बीच शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनने का मौका मिल पाया है। पीएमएल–एन का नेतृत्व जानता है कि शहबाज विपक्षी दलों और सेना से तालमेल बनाने में कामयाब होकर अपनी कुर्सी बचा सकते हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के भीतर स्थितियां इतनी चुनौतीपूर्ण हैं कि वहां राज करना कांटों का ताज संभालना ही है। पूरी दुनिया में घटती साख के बीच पाक का आर्थिक संकट जगजाहिर है। महंगाई के त्रास से पाकिस्तानी जनता त्राहि–त्राहि कर रही है। वहीं उन्हें इमरान के नेतृत्व वाले विपक्ष के कड़े प्रतिरोध को झेलना होगा। सही मायनों में शहबाज शरीफ के कंधों पर बोझ होगा कि वे पाकिस्तान को विफल राष्ट्र की श्रेणी में आने से बचाएं। वहीं सेना से तालमेल बनाना भी एक चुनौती होगी। इतिहास गवाह है कि जब भी पाकिस्तान में लोकतंत्र कमजोर हुआ है सेना को निरंकुश व्यवहार करने की छूट मिली है। इमरान खान पर जिस तरह मुकदमें लादकर उन्हें जेल भेजा गया, उससे सेना के हस्तक्षेप की हकीकत सामने आई है। वहीं कठमुल्लाओं की चुनौती का भी उन्हें सामना करना होगा। पिछले लंबे समय से पाक तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी के निशाने पर रहा है। उसके हमले में सैकड़ों सुरक्षाकर्मियों व नागरिकों की जान गई है। जहां तक नई सरकार के भारत से संबंधों की बात है तो उसमें किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कश्मीर मुद्दे पर शहबाज शरीफ ने जिस तरह विषवमन किया, उससे इस बात की पुष्टि होती है। भारत विरोध पाक नेताओं को राजनीतिक रूप से लाभकारी लगता है। बहरहाल ऐसे हालात में कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है कि शहबाज शरीफ अर्थव्यवस्था व कानून व्यवस्था को जल्दी ही पटरी पर ला पाएंगे। उनके शासन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि विपक्ष दल व सेना उन्हें किस सीमा तक काम करने की आजादी देते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत विरोधी ग्रंथि से मुक्त होकर शहबाज शरीफ दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्ते बनाने की दिशा में प्रयास करेंगे।

किसान आन्दोलन पर चुप्पी क्यों...?

—निर्मल रानी—

किसान आंदोलन–2 अभी जारी है। इसका सबसे अधिक प्रभाव हरियाणा व पंजाब से लगती हुई शंभू और खनौरी नाम की सीमाओं के सीमित क्षेत्रों में है। हरियाणा व पंजाब से लगती इन्हीं दो सीमाओं पर गत 13 फरवरी से अनेक किसान संगठनों के नेता व सदस्य दिल्ली कूच करने के उद्देश्य से डेरा जमाये हुये हैं। किसान, दो वर्ष पूर्व हुये आंदोलन के समय सरकार द्वारा मानी गयी उनकी मांगों को अब तक पूरा न किये जाने के चलते यानी सरकार की वादा खिलाफी की वजह से दूसरी बार आंदोलन करने के लिये मजबूर हुये हैं। सरकार ने किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिये इसबार शंभू व खनौरी से लेकर दिल्ली से लगती चारों ओर की सीमाओं पर कड़ी नाकेबंदी की है। शंभू व खनौरी सीमाओं पर तो छः लेयर तक के अवरोधक लगाये गए हैं। इनमें कंटेनर्स,सीमेंटेड ब्लॉक्स,सीमेंट में ढली मोटी कीलें,कंटीले तार,लोहे की चादरें तरह तरह के वाहन व मशीनें,आंसू गैस फेंकने वाले यंत्र,ड्रोन,पानी की तेज बौछार फेंकने वाली मशीनें,बुलडोजर,पोकलेन,जे सी बी आदि और भी अनेक चीजों का सहारा लिया गया है। इन सीमाओं पर सरकार द्वारा लगाये गये अवरोध शायद भारत की चीन व पाकिस्तान से लगती सीमाओं से भी अधिक सुदृढ़ हैं। जिन्हें विदेशियों या घुसपैठियों को नहीं बल्कि अपने ही देश के किसानों को रोकने के लिये खड़ा किया गया है।

दूसरी ओर किसान हैं जो शंभू व खनौरी की सीमाओं पर पंजाब की हद में डेरा डाले हुए हैं। किसानों ने केवल इन्हीं बॉर्डर्स पर सड़कों के किनारे अपने तंबू लगा रखे हैं व ट्रैक्टर ट्रॉली आदि खड़ी कर रखी है। यही ट्रैक्टर ट्रॉली किसानों के घर, गोदाम तथा छाया सर्दी धूप बारिश से बचाओं आदि का काम करती है। किसानों ने आंदोलन के शुरुआत में शंभू व खनौरी सीमाओं से हरियाणा में प्रवेश की कोशिश की परन्तु सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक कर किसानों को हरियाणा में प्रवेश करते हुये दिल्ली पहुँचने से रोक दिया। इसी बीच 21 फरवरी को खनौरी बॉर्डर पर पुलिस और किसानों के बीच झड़प हुई थी जिसमें बठिंडा के युवा किसान शुभकरण सिंह की पुलिस की गोली लगने से मौत हो गई थी। किसान हालांकि अभी भी शंभू व खनौरी सीमाओं पर डेरा जमाये हुये हैं परन्तु उनकी तरफ से यातायात बाधित करने का न तो कोई प्रयास किया जा रहा है न ही उनकी मंशा जनता को परेशानी में डालने की है। जहां तक किसानों के दिल्ली कूच का प्रश्न है तो किसान कभी भी लुक छुप कर या सत्ता अथवा प्रशासन को धोखा देकर दिल्ली नहीं पहुँचते बल्कि शंदिली चलोश का नारा देकर पूर्व घोषित कार्यक्रमानुसार ही मार्च करते हैं। परन्तु सरकार ने गत 12 मार्च से ही शंभू व खनौरी सीमाओं के अतिरिक्त दिल्ली –हरियाणा–हिमाचल – चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग को भी पूरी तरह से अवरुद्ध कर रखा है। जगह जगह मार्ग परिवर्तन किया जा रहा है। अकारण ही गांव व कस्बों से होकर ट्रेफिक मार्ग परिवर्तित किये जा रहे हैं। 12 मार्च से ही चंडीगढ़–अंबाला मार्ग पूरी तरह बाधित है जबकि अंबाला–चंडीगढ़ सीमा यानी सद्दोपुर–झड़मड़ी पर किसानों का किसी भी तरह का न तो जमावड़ा है न ही किसानों ने फिलहाल इस मार्ग से दिल्ली जाने की कोई घोषणा की है। इसके बावजूद चंडीगढ़–अंबाला–दिल्ली मार्ग को बंद करने या परिवर्तित करने का आखिर क्या औचित्य है? किसान आंदोलन के नाम पर मार्ग बदले जाने से जनता बेहद परेशान है। चंडीगढ़ दिल्ली की यात्रा जो मात्र चार घंटे में तय होती थी अब 12–14 घंटों में तय हो रही है। कारें बसें आदि कस्बों व गांवों से होकर गुजरने से तंग रास्तों में जाम लगा रहता है। यात्रियों के साथ साथ उन गांव के लोगों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है जिन्हें 24 घंटे जाम और यातायात प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। रूट बदलने के कारण जिन जिन कस्बों व गांव से ट्रेफिक मोड़ा गया है उन रास्तों के सैकड़ों मेन होल के ढक्कन टूट गए हैं।

किसान आंदोलन के कारण जहाँ तमाम बसों का परिचालन बंद कर दिया गया है वहीं तमाम बसों के रूट भी बदले गये हैं। बसों का कोई टाइम टेबल नहीं रह गया है। इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को घंटों बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। परन्तु अब सुखद खबर यह है कि अंबाला–चंडीगढ़ हाईवे को पुलिस प्रशासन द्वारा आंशिक रूप से खोला जा रहा है। खबरों के अनुसार छः लेन के इस रास्ते में अभी केवल दोनों दिशाओं से दिल्ली–चंडीगढ़ मार्ग की केवल एक–एक लेन ही खोली जा रही है। यानी सद्दोपुर–झड़मड़ी सीमा पर राजमार्ग की एक लेन खुलने के बावजूद अभी भी जाम की स्थिति बनी रहेगी। सवाल यह है कि किसान आंदोलन के नाम पर या इससे भयभीत होकर सरकार व प्रशासन द्वारा 20 दिनों से भी अधिक समय तक जनता को क्यों परेशानी में डाला गया ? क्या सरकार को भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में लोगों की आवाज खासकर अन्नदाताओं की आवाज को कुचलने का सबसे आसान रास्ता यही नजर आया कि इंटरनेट बंद कर दिये जाएँ,रास्ते बंद कर दिये जायें,मार्ग परिवर्तित किये जायें,किसान प्रदर्शनकारियों के साथ दुश्मनों व घुसपैठियों जैसा व्यवहार किया जाये,उनपर लाठियां गोलियां आंसू गैस व पानी की तेज बौछारें इस्तेमाल की जायें ? और इन सब सरकारी बंदिशों के चलते जनता को होने वाली परेशानियों की जिम्मेदारी किसानों पर ही मढ़ी जाये ? और गोदी मीडिया भी सत्ता के साथ कदमताल करता हुआ किसानों को ही दोषी करार देने की कोशिश करे ? बहरहाल, किसान आंदोलन यदि और तेज न हुआ और सरकार व किसानों के मध्य वार्ता के द्वारा कोई समाधान निकल आया फिर तो सुखद है। अन्यथा 12 फरवरी से बंद पड़े 6 लेन के अंबाला–चंडीगढ़–शिमला हाईवे की दोनों दिशाओं की केवल एक ही लेन 5 मार्च से खोलने से जनता को फिलहाल कुछ राहत तो जरूर मिलेगी। परन्तु बेहतर हो कि सरकार इन समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान निकाले और ऐसी व्यवस्था करे,ऐसी नीतियाँ व योजनाएं बनाये कि किसानों और सरकार के बीच टकराव की नौबत ही न आ सके ? और किसान व सरकार के टकराव के बीच कम से कम देश की आम जनता को तो परेशानी न उठानी पड़े ?

भाजपा के टिकट पर लगी हैं निगाहें

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से बीजेपी ने 51 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय कर दिये हैं। इस घोषणा में सबसे बड़ी बात यह रही कि कहीं भी विरोध या बगावत के स्वर नहीं सुनाये दिये, एक मात्र बाराबंकी लोकसभा सीट के उम्मीदवार उपेंद्र सिंह रावत ने जरूर चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा जताई है। इसके पीछे उनकी पार्टी से किसी तरह की नाराजगी नहीं, बल्कि उनका सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक विवादित वीडियो का सामने आना है, जिसे रावत ने पूरी तरह से खारिज करके एफआईआर दर्ज करा दी है। लेकिन इसके साथ ही वीडियो की सच्चाई आने से पूर्व भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने की भी घोषणा की है।

बाराबंकी से यदि उपेंद्र चुनाव नहीं लड़े तो बीजेपी को वहां भी नया प्रत्याशी तलाशना होगा, इस तरह से 24 सीटों पर उसे और प्रत्याशी तय करना है, बाकी कि छह सीटें बीजेपी ने सहयोगी दलों के लिये छोड़ रखी हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने यूपी में 80 में से 64 सीटें जीती थीं। पहली लिस्ट में बीजेपी ने अपने 44 सांसदों को पुनः टिकट दे दिया है। इस तरह से अभी बीजेपी के 20 और सांसदों के भाग्य का फैसला होना बाकी है। यह वह 20 सांसद हैं जिनको लेकर बीजेपी आलाकमान के मन में कई किन्तु–परंतु हैं। किसी की उम्र 75 वर्ष से अधिक है तो कोई विवादों में घिरा है। इसी तरह से कुछ सांसदों का कामकाज सही नहीं होने के कारण उनके जीत की संभावनाएं काफी कम हो गई हैं तो कुछ मौजूदा सामाजिक समीकरण के ढांचे में फिट नहीं बैठ रहे हैं। एक सांसद ऐसे भी हैं जो पांच सालों तक अपनी ही सरकार की आलोचना करते रहे। इसके अलावा कुछ वीआईपी सीटों पर भी प्रत्याशी नहीं तय हो पाये हैं जिसमें रायबरेली, मैनपुरी, सुलतानपुर, पीलीभीत जैसी सीटें शामिल हैं। उक्त में से दो सीटें क्रमशः सुलतानपुर और पीलीभीत से मेनका और वरुण गांधी सांसद हैं।

अभी तक जिन बीजेपी सांसदों के भाग्य का फैसला नहीं हो पाया है उसमें गाजियाबाद से विजय कुमार सिंह, मेरठ से राजेन्द्र अग्रवाल, बागपत से सत्यपाल सिहं, हाथरस से राजबीर दिलेर, कानपुर से सत्यदेव पचौरी, पीलीभीत से वरूण गांधी, बदायूं से संघमित्रा मौर्या, फिरोजाबाद से डॉ. चन्द्र जादौन सेन, प्रयागराज से रीता बहुगुणा जोशी, फूलपुर से केसरी देवी पटेल, देवरिया से रमापति राम त्रिपाठी, बलिया से वीरेन्द्र सिंह, मछली शहर से भोलानाथ, मदोही से रमेश चन्द्र, अलीगढ़ से सतीश कुमार गौतम और बरेली से संतोष गंगवार शामिल हैं।

बहरहाल, जिन 20 सांसदों को टिकट नहीं मिला है, उसके अलावा चार और सीटों को शामिल करके बीजेपी को अभी 24 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय करने हैं। जिन मौजूदा सांसदों के टिकट घोषित नहीं हुए हैं, वह अपने समर्थकों के साथ लखनऊ से दिल्ली तक प्रयास कर रहे हैं। जानकार बताते हैं कि कुश्ती संघ से विवादों में आए कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह की जगह पार्टी उनकी पत्नी केतकी सिंह या विधायक बेटे प्रतीक भूषण सिंह को चुनाव लड़ाना चाहती है, लेकिन ब्रजभूषण ने टिकट पाने के लिए लखनऊ से दिल्ली तक पूरी ताकत लगा दी है। बरेली से लगातार सांसद रहे संतोष गंगवार को 2019 में मंत्री पद से हटाने के बाद अब चुनावी राजनीति से बाहर रखने की चर्चाएं चल रही हैं। उनके समर्थकों का तर्क है कि 75 वर्ष से अधिक आयु होने पर हेमा मालिनी को टिकट दिया गया है, ऐसे में संतोष गंगवार की दावेदारी भी बनती है।

उधर, देवरिया से संसद और पूर्व प्रदेश अध्य रमापति राम त्रिपाठी ने भी दिल्ली में भाजपा के बड़े पदाधिकारियों से संपर्क बनाकर एक और मौका मांगा है तो सुल्तानपुर से सांसद मेनका गांधी और पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी के टिकट पर भी पेंच फंसा है। मोदी की हरी झंडी के बाद पार्टी दोनों में से किसी एक को टिकट दे सकती है। वैसे वरुण गांधी के प्रियंका गांधी के करीब होने की भी बात कही जा रही है। रिश्तों में जमी बर्फ हटाने के लिये वरुण को रायबरेली या अमेठी से मैदान में उतारा जा सकता है।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशियों की पहली सूची में वंचित रहने के बाद पार्टी के दिग्गज सांसदों ने अपने टिकट के लिए पूरा दम लगा दिया है। राम लहर और मोदी की गारंटी के माहौल में भी दिग्गज चेहरों को चुनाव मैदान से बाहर करने में पार्टी को मशक्कत करनी पड़ेगी। भाजपा ने पहले चरण में यूपी की 80 में से 51 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। शेष 29 सीटों में से बागपत और बिजनौर पर एनडीए के सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल ने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। आगामी दिनों में 27 सीटों पर प्रत्याशी घोषित होने हैं इनमें से दो सीटें अपना दल (एस) और सुभासपा को एक सीट मिलेगी। माना जा रहा है कि अपना दल को उसकी दो मौजूदा सीटों बाबर्दसगंज और मिर्जापुर से ही लड़ाया जायेगा। पूर्वांचल की एक–एक सीट सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और निषाद पार्टी के हिस्से में जायेगी। गाजीपुर और घोसी की सीट इन दलों को दी जा सकती है। कुछ सीटों पर सपा–बसपा छोड़कर बीजेपी में आने वाले नेताओं को भी उतारा जा सकता है।

बहरहाल, अभी तक जिन बीजेपी सांसदों के भाग्य का फैसला नहीं हो पाया है उसमें गाजियाबाद से विजय कुमार सिंह, मेरठ से राजेन्द्र अग्रवाल, बागपत से सत्यपाल सिहं, हाथरस से राजबीर दिलेर, कानपुर से सत्यदेव पचौरी, पीलीभीत से वरूण गांधी, बदायूं से संघमित्रा मौर्या, फिरोजाबाद से डॉ. चन्द्र जादौन सेन, प्रयागराज से रीता बहुगुणा जोशी, फूलपुर से केसरी देवी पटेल, देवरिया से रमापति राम त्रिपाठी, बलिया से वीरेन्द्र सिंह, मछली शहर से भोलानाथ, मदोही से रमेश चन्द्र, अलीगढ़ से सतीश कुमार गौतम और बरेली से संतोष गंगवार शामिल हैं।

कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी को फिर से प्रत्याशी बनाने के लिए आरएसएस के कुछ पदाधिकारी पैरवी कर रहे हैं। उधर, भाजपा ने बागपत और बिजनौर सीट रालोद को दी है। बागपत से लगातार दो बार सांसद रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह का टिकट कट गया है। पार्टी की ओर से पहले ही तीन जाट उम्मीदवार उतारने के चलते अब सत्यपाल सिंह के राजनीतिक भविष्य पर तलवार लटक गई है। बिजनौर से 2019 में भाजपा प्रत्याशी रहे कुंवर भारतेंद्र का टिकट भी कट गया है। सत्यपाल और भारतेंद्र भी किसी अन्य सीट से दावेदारी कर सकते हैं। कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी को फिर से प्रत्याशी बनाने के लिए आरएसएस के कुछ पदाधिकारी पैरवी कर रहे हैं।

पीने का पानी चुनावी मुद्दा क्यों नहीं

—विश्वनाथ सचदेव—

कई साल पुरानी बात है। विदेश यात्रा के दौरान न्यूयार्क के एक बड़े होटल में जब मैं अपने कमरे में गया तो देखा पीने का पानी नहीं था। मैंने संबंधित कर्मचारी से फोन पर बात की। उसने बताया कि पानी की बोतल तो वह भेज देंगे पर वहां बाथरूम का पानी ही पीने के लिए काम आता है। सब वही पानी पीते हैं। पूरी तरह सुरक्षित है वह पानी पीने के लिए। जब उसने यह बात कही तो उसकी आवाज में एक गर्व की अनुभूति खनक रही थी। आज यह घटना मुझे तब अचानक याद आ गई जब मैं सुबह का अखबार पढ़ रहा था। अखबार के भीतरी पन्नों में एक खबर थी देश में पीने के पानी के बारे में। इस खबर के अनुसार देश के 485 नगरों में से सिर्फ 46 में ही पीने का शुद्ध पानी है। इस आंकड़े के लिए किसी एजेंसी की हवाला दिया गया था। पता, यह कितना सही है पर यह बात तो हम सब जानते हैं कि हमारे देश में धनी तबका घरों में पीने के पानी के लिए मशीनों का उपयोग करता है। आए दिन टीवी पर इस आशय का विज्ञापन देखा जा सकता है कि पीने के शुद्ध पानी के लिए फलां 'वॉटर प्यूरीफायर' का इस्तेमाल करें। बहुत से लोग यह बात बताने वाले सिनेमा के बड़े कलाकार से प्रभावित होकर 'पानी को पीने योग्य' बनाने वाली मशीन खरीद लाते हैं।

सच कहें तो शहरी इलाकों में, घरों में ऐसी मशीन का होना एक अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। जो इसे नहीं खरीद पाते वे दूषित पानी का शिकार हो जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार हमारे देश में प्रतिवर्ष 5 वर्ष से कम आयु के तीन लाख से अधिक बच्चे डायरिया से मरते हैं और यह डायरिया दूषित पानी पीने से ही होता है। अखबार में दूषित पानी वाला यह समाचार पढ़कर मैं चौंका नहीं था। आए दिन इस आशय के समाचार देखने को मिल जाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि पीने के पानी को लेकर जागरूकता बढ़ी है। हर घर में 'नल से जल' जैसी योजनाओं का असर भी कुछ देखने को मिल रहा है पर नल के इस पानी की शुद्धता को लेकर आए दिन सवाल उठते रहते हैं। मेरी जिज्ञासा और चिंता तो यह है कि हमारे देश में हम कब गर्व से कह सकेंगे कि गुसलखाने के नल का पानी ही पीने के काम में भी आता है।

आज यह सवाल इसलिए भी अधिक मुखर होकर सामने आ रहा है कि शुद्ध पानी जैसा मुद्दा हमारे राजनेताओं को चुनावी मुद्दा क्यों नहीं लगता। हर घर में नल जैसी बात होती है पर उस शिद्दत के साथ नहीं जिसके साथ होनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि शुद्ध पानी का मुद्दा कभी उठा नहीं। उठता रहता है अक्सर, पर फिर उतनी ही तेजी से भुला दिया जाता है। अब जो चुनाव सामने आ रहे हैं उनमें हमारे नेताओं के मुंह से कितनी बार शुद्ध पानी का उच्चारण हुआ है? 10 साल पहले गंगा नदी के पानी को शुद्ध बनाने वाला 'नमामि गंगे प्रोजेक्ट' चुनावी चर्चा का मुद्दा बना था, पर इस आधी–अधूरी रह गई परियोजना की बात आज कोई नहीं कर रहा। कोई नहीं पूछ रहा कि करोड़ों की आस्था का प्रतीक बनी 'मां गंगा' का पानी अब तक शुद्ध क्यों नहीं हो पाया अथवा हमारे राजनेताओं ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को चुनावी मुद्दा क्यों नहीं बनाया?

देश में आम चुनाव का माहौल लगातार गर्मा रहा है। छोटे से छोटे कार्यकर्ता से लेकर प्रधानमंत्री तक नए–नए चुनावी नारे गढ़ने में लगे हैं। दुर्भाग्य से न तो सत्तारूढ़ दल शुद्ध पानी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे की बात कर रहा है और न ही विपक्ष को पीने का पानी चुनावी फसल काटने का माध्यम नजर आ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास के बड़े–बड़े दावे किए जा रहे हैं, मतदाता को लंबे–चौड़े आंकड़ों से भरमाने की कोशिश हो रही है। यह दावे कितने सही हैं, इसकी चिंता कोई नहीं करता। मजे की बात तो यह है कि अक्सर हमारे नेता यह भूल जाते हैं कि पिछली चुनावी सभा में उन्होंने विकास के क्या आंकड़े जनता को बताए थे। मान लिया गया है कि जनता की याददाश्त बहुत कमजोर होती है। जनता भी इस बात की अधिक चिंता करती नजर नहीं आती कि हमारे नेता किस तरह उसे ठगने की कोशिश में लगे रहते हैं। यह हमारी चिंता का विषय बनाना चाहिए। चुनावी सभा में हमारे नेता बड़े–बड़े दावे करते हैं, तीसरी या पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने व बनाने के दावे किए जाएं। 'पांच ट्रिलियन' की बात तो की जाती है पर यह कोई नहीं बताता कि इसका मतलब क्या है?

शादी में खाने को लेकर हुआ विवाद, बरातियों को लाठी–डंडे और लोहे की रॉड से पीटा, एक की मौत

संवाददाता–बहराइच। नेपाल सीमा से सटे जिले के रामनगर गांव में मंगलवार रात को बरात आई। खाने को लेकर रात 11 बजे बरातियों और गांव के लोगों में विवाद हो गया, जमकर मारपीट हुई। मारपीट में एक बराती की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। घायल को अस्पताल पहुंचा कर भर्ती कराया गया है। मृतक बराती के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रुपईडीहा थाना अंतर्गत रामनगर गांव निवासी बेचन लाल के यहां मंगलवार रात को थाना क्षेत्र के मकनपुर गांव निवासी संदीप पुत्र निवास बरात लेकर पहुंचे। रात में अन्य कार्यक्रम के साथ दूल्हे और दुल्हन पक्ष के लोगों ने खाना शुरू कर दिया।

खाने को लेकर दूल्हे पक्ष के रिश्तेदार रामगांव थाना क्षेत्र के बल्दीसिंह पुरवा गांव निवासी सोनू आर्य पुत्र बांकेलाल और खैरीघाट थाना क्षेत्र के शिवपुर बाजार निवासी जगदीश के पुत्र संजय कुमार ने उलाहना दिया। इससे लड़की पक्ष के गांव के लोग नाराज हो गए। खाने को लेकर रामनगर गांव निवासी गुड्डू वर्मा से विवाद के बाद गुड्डू वर्मा पुत्र ओंकार वर्मा, डब्लू वर्मा पुत्र बहुरि व मोटेरू वर्मा ने मिलकर लाठी डंडे और लोहे की रॉड से बरातियों को मारा पीटा जिसमें दूल्हे के रिश्तेदार सोनू आर्य और संजय कुमार घायल हो गया। आसपास के लोगों की मदद से घायलों को बाबागंज में स्थित अस्पताल में लाया गया। जहां सोनू को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. पवित्र मोहन त्रिपाठी ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों के बयान दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

सड़क हादसों में मासूम बच्ची समेत दो की मौत

संवाददाता–गोण्डा। करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र की भंभुआ पुलिस चौकी के आगे मसौलिया के पास दो बाइकों के आमने–सामने की टक्कर में परीक्षा देकर लौट रहे दो छात्रों समेत पांच लोग जख्मी हो गए। इसमें गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना में घायल चार अन्य का उपचार चल रहा है। वहीं, परसपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मोहना में बुधवार की दोपहर चौपहिया वाहन के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल बच्ची की मौत हो गई। घटनाक्रम के मुताबिक बुधवार को कोतवाली क्षेत्र के हीरापुर कमियार निवासी संतोष (22) पुत्र राजकुमार अपने घर के दो लड़के विक्रम (18) पुत्र शिव कुमार व हरिओम (16) पुत्र राजेश सिंह को बाइक से गयादीन सिंह इंटर कालेज प्रहलादगंज हाईस्कूल की परीक्षा दिलाने गए थे। तीनों लोग एक ही बाइक पर सवार थे। लौटते समय मसवलिया के पास सामने से आ रही एक बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दूसरी बाइक पर सवार ज्ञानेंद्र शुक्ला (24) पुत्र हरीशचचंद्र और अनामिका शुक्ला पत्नी सोमेंद्र निवासी रामगढ़ अतरौलिया समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां देखते ही चिकित्सकों ने संतोष मृत घोषित कर दिया। जबकि, दो अन्य घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। भंभुआ चौकी प्रभारी सुरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि घायलों को सीएचसी भेजा गया था। तहरीर मिलने पर अन्य आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। चार पहिया वाहन की टक्कर से बच्ची की मौतरू परसपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मोहना में बुधवार की दोपहर चौपहिया वाहन के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल सात वर्षीय तैयबा की सीएचसी ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। स्थानीय नगर पंचायत के मनिहारन टोला निवासी पिता दिलबहार के तहरीर पर पुलिस ने वाहन व उसके चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट में दिलबहार ने कहा कि पत्नी रहीमा अपनी बेटी तैयबा को साथ लेकर ग्राम मोहना रिश्तेदारी में गयी थी।

गोण्डा जिले में बीजेपी के हाई प्रोफाइल प्रत्याशी के नाम का ऐलान होते ही शुरू हुआ विरोध

संवाददाता–गोण्डा। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 की पहली सूची जारी कर दी है। देवीपाटन मंडल की दो सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया गया है। इनमें श्रावस्ती लोकसभा सीट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव और राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के बेटे साकेत मिश्रा को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकी गोंडा लोकसभा सीट से बीजेपी ने सांसद कीर्ति वर्धन सिंह पर तीसरी बार भरोसा जताया है। श्रावस्ती लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित होने के बाद साकेत मिश्रा का विरोध शुरू हो गया है। आज बीजेपी कार्यालय के पास जुटे कुछ लोगों ने जमकर नारेबाजी किया।

बीजेपी ने श्रावस्ती लोकसभा सीट से साकेत मिश्रा को अपना प्रत्याशी बनाया है। इनके ऊपर बाहरी प्रत्याशी होने का ठप्पा लग गया है। श्रावस्ती की जनता एक बार बाहरी प्रत्याशियों को चुनाव जीताकर अपने को ठगा महसूस कर चुकी है। भाजपा कार्यालय पहुंचे सैकड़ो की संख्या में लोगों ने ऑफिस के बाहर नहीं चाहिए बाहरी प्रत्याशी कहकर जमकर नारेबाजी किया। लोग दद्दन मिश्रा को प्रत्याशी बनाए जाने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियो का कहना था कि हम लोगों बाहरी प्रत्याशियों से ठगे गए हैं। वर्ष 2019 के चुनाव में बसपा प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा यहां से चुनाव जीते उनके सामने भाजपा प्रत्याशी दद्दन मिश्रा 5320 मतों के अंतर से चुनाव हार गए। राम शिरोमणि वर्मा भी बाहरी प्रत्याशी थे। प्रदर्शन कर रहे लोगो का कहना था कि चुनाव जीतने के बाद वह क्षेत्र में लौटकर नहीं आए। एक सवाल के जवाब में कहा कि हम लोगों को बीजेपी से नहीं बल्कि बाहरी प्रत्याशी से एतराज है। प्रदर्शनकारी योगी–मोदी जिंदाबाद के नारे भी लगा रहे थे। दरअसल 2009 के नए परिसीमन में श्रावस्ती लोकसभा सीट का गठन हुआ। 2009 के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में विनय कुमार पांडे ने यहां से चुनाव जीते। 2014 के चुनाव में बीजेपी ने दद्दन मिश्रा पर अपना भरोसा जताया। दद्दन मिश्रा ने सपा के अतीक अहमद को चुनाव हराया। वर्ष 2019 के चुनाव में यहां से बसपा प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा चुनाव जीत गए। दद्दन मिश्रा को पराजय का सामना करना पड़ा। इस बार दद्दन मिश्रा बीजेपी से फिर टिकट मांग रहे थे। लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट न देकर यहां से साकेत मिश्रा को अपना प्रत्याशी बनाया है। अब कुछ लोग बाहरी प्रत्याशी कहकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं।

भारत सरकार की टीम ने किया इकौना सीएचसी का निरीक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। अस्पतालों में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं का जांच करने के लिए भारत सरकार की ओर से गठित ठीम ने सीएचसी इकौना का निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली और बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। सात सदस्यीय टीम के सदस्यों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना में पहुंच कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उदयनाथ, अधीक्षक डॉक्टर अंकित अग्रवाल के साथ बैठक करके जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान टीम में शामिल यूनिवर्सिटी आफ मैनीटोवा डा जेम्स ब्लेंनर्ग्ड, डा रजनी वेद,डा देवेंद्र,डा गरिमा ने अस्पताल के प्रसव कक्ष, जेएसवाई वार्ड, एनबीएसयू वार्ड,ओटी वार्ड का गहनता से निरीक्षण किया। टीम ने चिकित्सकों से संवाद कर मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर दिए जाने का निर्देश दिया।

फाउंडेशन टीम ने मरीजों की सुविधा, परिवार नियोजन,एनबीएसयू,ओटी,फार्मेसी सप्लाई डाटा, सर्विसेज क्वालिटी,पोर्टल पर डाटा शासन को भेजने, हेल्थ सर्विसेज, स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित व्यवस्था की जांच की।

थाने के पास सांड़ ने हमला कर युवक को मरणासन्न किया

संवाददाता–बहराइच। गोआश्रालय से भागे सांड़ ने नवाबगंज थाने के समीप युवक को पटक पटक कर मरणासन्न कर दिया। थाने की पुलिस मूकदर्शक बनी रही। ग्रामीणों ने हमलावर सांड़ को कड़ी मशक्कत से खदेड़ा। हमले में घायल युवक को नवाबगंज सीएचसी में भर्ती कराया गया है। नवाबगंज थाने के गोविंदापुर पंडित के मजरा भट्ठा कर्बला निवासी 40 वर्षीय मुन्ना पुत्र सत्तार खां बुधवार सुबह आठ बजे के नवाबगंज थाने के पास से निकल रहा था। इसी दौरान उस पर सांड़ ने हमला कर पटक कर घायल कर दिया। हमले के दौरान थाने में मौजूद पुलिस कर्मी मूक दर्शक बने रहे। आसपास मौजूद ग्रामीण जब तक सांड़ से उसे बचाने के लिए दौड़ते तब तक वह काफी घायल हो चुका था। ग्रामीणों की सहायता से इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र में मरणासन्न युवक को नवाबगंज सीएचसी में भर्ती कराया गया है। दो महीने पहले इसी सांड़ ने नवाबगंज निवासी मतलूब सिद्दीकी को मार कर घायल कर चुका है। उसके बाद सांड़ गोआश्रालय में भेजा गया था।

वहां से देखभाल के अभाव मे भाग आए सांड़ ने फिर हमले की घटना की। जिस तरफ सांड निकलता है। लोगों में दहशत व अफरा–तफरी मच जाती है। इमरान, जगंली खां, इसरार, मुजीब खान आदि ग्रामीणों का कहना है कि सांड को पकड़वा कर गोआश्रालय में भेजा जाना चाहिए।

अलग–अलग मामले में चार अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। थाना ललिया पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार करके न्यायालय भेजा है। चारों अभियुक्त अलग–अलग मामले में न्यायालय से वांछित चल रहे थे। उप निरीक्षक अशोक राय, ओम नारायण मिश्र ने बताया कि गूठे वर्मा,अमेरिका वर्मा, रक्षाराम व सुंदरपता अलग–अलग मामले में न्यायालय से वांछित चल रहे थे। जिन्हें गिरफ्तार करके न्यायालय भेजा गया है। उन्होंने बताया कि हेड कांस्टेबल महेश शुक्ला कांस्टेबल सुनील गुप्ता हेड कांस्टेबल अरविंद कुमार महिला कांस्टेबल प्रियंका के सहयोग से अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

बिना लाइसेंस के नहीं चलेगी मीट,मछली व अंडे की दुकानें

संवाददाता–श्रावस्ती। एसडीएम जमुनहा संजय कुमार राय ने हरदत्तनगर गिरंट थाना क्षेत्र में चौक चौराहों का निरीक्षण किया। इस दौरान मीट और मछली की दुकानों का लाइसेंस देखा। लेकिन किसी दुकान का लाइसेंस नहीं मिला। इस पर बिना लाइसेंस के दुकान चलाने पर रोक का निर्देश दिया।

एसडीएम ने थानाध्यक्ष हरदत्त नगर गिरंट प्रमोद कुमार अग्निहोत्री के साथ जमुनहा तहसील क्षेत्र के बदला चौराहा और मिर्जापुर चौराहे का निरीक्षण किया। इस दौरान बिना लाइसेंस के चल रहे मीट, मछली व अंडे के दुकानदारों को चेतावनी दी कि बिना लाइसेंस के दुकानों का संचालन न करें। अगली बार जांच में लाइसेंस नहीं मिला तो दुकानों को बंद करा दिया जाएगा। इसलिए लाइसेंस बनवा कर ही दुकानों का संचालन करें। इसी तरह से इमलिया करनपुर चौराहा, हरबंशपुर चौराहा पर निरीक्षण करने निकले और दुकानदारों से जब पूछताछ किया तो पता चला कि चौराहों पर सब बिना लाइसेंस के ही खुले में मीट मछली अंडे बेचे जा रहे हैं। एसडीएम ने सभी दुकानों पर पहुंच कर हिदायत देते हुए कहा कि अब इस तरह दुकानदारी बंद करें वरना कड़ी कार्रवाई होगी।

जरवा बीट में इकोटूरिज्म को बढ़ावा देने की कवायद शुरू

संवाददाता–बलरामपुर। सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग अन्तर्गत रामपुर रेंज के जरवा बीट में इकोटूरिज्म को बढ़ावा देने की कवायद शुरू हुई है। यहां बच्चों को मनोरंजन के लिए रेस्ट हाउस परिसर में पार्क बनेगा। प्रकृति का नजारा देखने के लिए पर्यटकों को साइकिलिंग की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। पर्यटक थारू हट में ठहरने का लुत्फ उठा सकेंगे। उन्हें चूल्हे पर पका भोजन मिलेगा। प्राकृतिक सौंदर्य के साथ अपनी फोटो को सेल्फी प्वाइंट पर कैद कर सकेंगे। टावर पर बैठकर नेपाल की खूबसूरत पहाड़ियों का नजारा लिया जा सकेगा। 452 वर्ग किलोमीटर में फैला सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग इस समय सुर्खियों में है। एक तरफ वन्यजीव क्षेत्र को टाइगर रिजर्व बनाने का प्रयास चल रहा है तो दूसरी ओर जरवा बीट में इकोटूरिज्म को बढ़ावा देकर पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना परवान चढ़ने वाली है। यूं तो सोहेलवा अपनी खूबसूरत वादियों के लिए मशहूर है, लेकिन रामपुर रेंज के जरवा बीट की बात ही कुछ और है। जरवा बीट से नेपाल के कोयलाबास की दूरी मात्र पांच किलोमीटर है। जरवा में वन विभाग का रेस्ट हाउस बना हुआ है। परिसर के भीतर हिरनों का झुंड दिन में ही भ्रमण करता दिख जाता है। चारों ओर घने जंगल हैं। पास में ही विशाल पहाड़ी नाला दारा स्थित है। इस बीट में कई थारू बाहुल गांव हैं। नेपाल की खूबसूरत पहाड़ियां यहां से साफ दिखती हैं। आस पास जिले के पर्यटकों का कोयलाबास आना–जाना लगा रहता है। इसी बात को ध्यान में रखकर वन विभाग ने जरवा बीट में इकोटूरिज्म की संभावनाओं को देखते हुए कदम आगे बढ़ाया है। बमुश्किल तीन दिन के भीतर इकोटूरिज्म के प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने की बात सोहेलवा के डीएफओ डा. एम सेम्मारन ने कही है। प्रथम चरण में रेस्ट हाउस का मरम्मत व रंग रोगन कराया जाएगा। परिसर को दुरुस्त कर पार्क का निर्माण होगा। जहां पर्यटन को आने वाले छोटे–छोटे बच्चे खेल सकें। उनके लिए झूला आदि की व्यवस्था कराई जाएगी। जरवा से कोयलाबास की दूरी मात्र पांच किलोमीटर है। सड़क के दोनों ओर घने जंगल हैं। धूप का सड़कों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। पर्यटकों के लिए पक्की सड़क पर साइकिलिंग की व्यवस्था होगी। पर्यटक कोयलाबास जाकर नेपाल की पहाड़ियों पर जाकर सीधे देख सकेंगे। वहां झूले वाले पुल का मजा भी लिया जा सकेगा। वन विभाग की भूमि पर थारू हट का निर्माण होगा। पर्यटक प्रकृति की गोद में बने हटों में रुककर रात्रि विश्राम कर सकेंगे। वहां उन्हें मिट्टी के चूल्हे व लकड़ी की आग पर बने भोजन का स्वाद चखने को मिलेगा। दारा नाला में बड़े–बड़े पत्थर जमा हैं। उन पत्थरों का उपयोग पर्यटकों को बैठने के लिए कुर्सी के रूप में किया जाएगा। नाला किनारे तीन किलोमीटर की फारेस्ट रोड है, जिस पर पर्यटक घूमकर प्राकृतिक दृश्य का आनंद उठा सकेंगे। नाला किनारे ही सेल्फी प्वाइंट बनाया जाएगा। पास में ही वाच टावर का निर्माण होगा। जिस पर चढ़कर नेपाल की खूबसूरत पहाड़ियों को देखा जा सकेगा।

डीएफओ डा. एम सेम्मारन बताते हैं कि अधिकांश पर्यटक अपने वाहनों से ही कोयलाबास आते हैं। जरवा में जो भी पर्यटक रुकेंगे उनसे वाहनों का किराया लिया जाएगा। जो भी आय होगी उसे इकोटूरिज्म समिति के खाते में जमा किया जाएगा। उस पैसे को टूरिज्म को बढ़ावा देने में खर्च किया जाएगा। थारू हट बनाने के लिए लगभग एक दर्जन लोगों का प्रस्ताव मिला है। चित्तौड़गढ़ जलाशय में नाव की व्यवस्था कराई जाएगी। पर्यटक जलाशय में बोटिंग का मजा ले सकेंगे। साथ ही शरद ऋतु में प्रवास पर आने वाले पक्षियों की अठखेलियां देख सकेंगे। प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया था जिसे लगभग मंजूरी मिल गई है। तीन दिन के भीतर स्वीकृति पत्र मिलने की संभावना है।

नपाप का गरजा बुलडोजर, हटी सड़क के दोनों ओर नाले पर रखी दुकानें

संवाददाता–बहराइच। शहर की मुख्य सड़कों की पटरिया व नालों में अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर पालिका प्रशासन का अभियान बुधवार को जारी रहा। गल्लामंडी से लेकर आसामरोड तक दोनों ओर नालों पर रखी दुकानों को बुलडोजर से तोड़ा व हटाया गया। अनाउंसमेंट कर अन्य अतिक्रमणकारियों को 24 घंटे के अंदर सामान समेटने को आगाह किया गया है। इसके बाद जब्तीकरण शुरू करने की चेतावनी दी गई है।

शहर में अतिक्रमण एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। जिधर सड़क पर नजर दौड़ाइए। हर तरफ पटरियों पर कब्जा बना हुआ है, तो नालों पर दुकानें तान दी गई या फिर गुमटियां रख ली गई हैं। इसकी वजह से यातायात व्यवस्था की गति पर ब्रेक ही नहीं लग रहा है, बल्कि हादसे भी हो रही हैं। अतिक्रमण हटाकर नालों की सफाई को लेकर नगर पालिका की ओर से कार्रवाई भी हो रही है। जिसके तहत कैलाश होटल गल्लामंडी से लेकर आसामरोड तक नगर पालिका की ओर से सड़क के दोनों ओर पटरियां व नालों पर रखी दुकानों को बुलडोजर से ढहाया गया है। गुमटियों को भी हटवाया गया है।

दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण करने पर जुर्माना संग कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी गई है। सफाई निरीक्षक सुरेश गोविंद मिश्र ने बताया कि अनाउंसमेंट भी करा दिया गया है। उन लोगों को स्वयं सामान व अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई है, जो लोग नालों पर जमे हुए हैं। गुरुवार सुबह तक न हटाने पर सामान जब्त किया जाएगा। नगर पालिका एक ओर से अतिक्रमण हटा रही है, तो दूसरी ओर मनबढ़ लोग नालों पर दुकानें जमाते जा रहे हैं। बानगी के तौर पर पानी टंकी से डिगिहा तक नालों पर दुकानें हर समय सजी रहती हैं, जबकि दूसरी ओर मेडिकल की दुकानें संचालित हो रही हैं। पटरियों को स्टैंड बना दिया गया है। जिससे वाहन व पैदल लोग मुख्य सड़क से होकर गुजरते हैं। जिससे हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। प्रमिता सिंह, ईओ, नगर पालिका सदर ने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। पहले चेतावनी दी जा रही है। अतिक्रमण न हटाने पर कार्रवाई भी हो रही है। दोबारा अतिक्रमण करने पर जुर्माना भी वसूला जाएगा।

नारी का सम्मान और स्वावलंबन केन्द्र व प्रदेश सरकार की प्राथमिकता– डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार की ओर से अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके तहत शक्ति वंदन अभियान का आयोजन किया जा रहा था। जिसका समापन बुधवार को प्रधानमंत्री ने वर्चुअल तरीके से किया। इस दौरान महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का तरीका बताया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी एवं जिलाधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में शक्ति वंदन अभियान कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री के उद्बोधन को देखा व सुना गया। इस कार्यक्रम में जनपद की महिलाओं व बालिकाओं ने भी प्रतिभाग किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं से संवाद भी किया तथा सरकार की ओर से प्रदत्त योजनाओं की जानकारी लिया गया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। जिससे महिलाओं को स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इसके लिए उज्ज्वला, सुकन्या समृद्धि व लखपति दीदी योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में बताय जिलाधिकारी ने कहा कि नारी शक्ति के सम्मान और स्वावलंबन के लिए अनेक कदम उठाये जा रहे है। जहां नारी सम्मान होता है वहां देवता विराजते हैं।

उन्होने कहा कि महिलाओं के हाथ में हुनर है, लेकिन उन्हें मंच नहीं मिल पाता है, जिससे वे अपने अन्दर की प्रतिभा को उजागर कर सकें। इसलिए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर उन्हें मंच प्रदान किया जा रहा है। जिससे वे अपने हुनर दिखा सके और आगे बढ़ सके। इसके अतिरिक्त सभी ब्लॉक मुख्यालय शक्ति वंदन अभियान पर कार्यक्रम आयोजित किए गए

इस अवसर पर जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला, जिला महामंत्रीअरुण पाण्डेय,नगर मण्डल अध्यक्ष सुरेश चौहान सहित अन्य सम्बन्धित कर्मचारीगण एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रही।

चार मार्ग दुर्घटनाओं में दो की मौत, तीन घायल

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के थाना देहात, कोतवाली नगर, गैसड़ी व महराजगंज तराई थाना क्षेत्र में चार मार्ग दुर्घटनाएं हुई हैं, जिसमें दो लोगों की मौत हुई है। दो बाइक व एक कार सवार घायल हुए हैं। एक बाइक सवार की हालत गंभीर होने पर उसे इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। गैसड़ी में अज्ञात वाहन की ठोकर से युवक की मौत हुई है। उसका शव भांभर नाला पुल किनारे पड़ा मिला है। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल की जांच की है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पहली दुर्घटना थाना देहात क्षेत्र अन्तर्गत बौद्ध परिपथ बहराइच मार्ग स्थित खपरीपुर गांव निकट मंगलवार रात लगभग 12 बजे हुई है।

ग्राम चंदरहवा जिला बहराइच निवासी 40 वर्षीय लालजी पुत्र राम प्रताप गन्ना भरा ट्रैक्टर ट्राला लेकर बलरामपुर चीनी मिल बिक्री के लिए आ रहे थे। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ट्राला को ठोकर मार दी। ठोकर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर ट्राला अनियंत्रित होकर सड़क पटरी से उतरकर खेत में पलट गया। अनियंत्रित होकर ट्रक भी सड़क पर पलट गया। चालक परिचालक ट्रक छोड़कर भाग निकले। ट्रैक्टर पलटने से लालजी उसके नीचे दब गए। उनकी चीखें सुनकर भारी संख्या में राहगीर व ग्रामीण एकत्रित हो गए। सभी ने ट्रैक्टर उठाकर लालजी को बाहर निकाला। वह लगभग 30 मिनट तक ट्रैक्टर के नीचे दबे रहे। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर लालजी को मेमोरियल चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। दूसरी दुर्घटना गैसड़ी कोतवाली अन्तर्गत बौद्ध परिपथ सिद्धार्थनगर मार्ग स्थित भांभर नाला पुल पर मंगलवार देर रात हुई है। गैसड़ी कस्बा वार्ड संख्या–2 निवासी 45 वर्षीय पतीराम पुत्र ननके मंगलवार शाम घर से निकले थे। डेढ़ बजे रात राहगीरों ने कोतवाल राज कुमार सिंह को सूचना दिया कि एक युवक का शव भांभर नाला पुल रेलिंग किनारे पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से पतिराम को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गैसड़ी भेजा, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाल के मुताविक पतिराम को किसी वाहन ने पीछे से ठोकर मारी है। पीठ, कनपटी व सिर में चोट के निशान मिले हैं। मौके पर फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए हैं। जांच में पता चला है कि पतिराम की मौत दुर्घटना में हुई है। उसकी जेब से गांजा पीने का चिलम बरामद हुआ है। परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है, फिर भी शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

तीसरी दुर्घटना कोतवाली नगर अन्तर्गत बौद्ध परिपथ तुलसीपुर मार्ग स्थित राप्ती नदी पुल के निकट मंगलवार शाम हुई है। संग्रह अमीन पद पर तैनात आनंद बाग निवासी 40 वर्षीय आलोक श्रीवास्तव पुत्र केके श्रीवास्तव बाइक से तुलसीपुर की ओर राजस्व वसूली के लिए जा रहे थे। बाइक पर उनका सहायक चतुर्थ श्रेणी कर्मी 42 वर्षीय ओम प्रकाश बैठा था। सामने से आ रही तेज रफ्तार बुलट मोटर साइकिल ने उनकी बाइक को ठोकर मार दी। आलोक व ओम प्रकाश बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। मौका देखकर बुलट सवार भाग निकला। दोनों घायलों संयुक्त जिला चिकित्सालय ले जाया गया। आलोक को हल्की चोटें आई हैं, जबकि ओम प्रकाश के हाथ व पैर की हड्डी टूटी है। सिर में गंभीर चोट होने के कारण उन्हें लखनऊ रेफर किया गया है। चौथी दुर्घटना थाना महराजगंज तराई अन्तर्गत जालिम गांव के निकट बुधवार सुबह दस बजे हुई है। कौवापुर बाजार निवासी अब्दुल्ला ने बताया कि वह कार से तुलसीपुर जा रहे थे। जालिम गांव के निकट अचानक सड़क पर बकरियों का झुंड आ गया। बकरियों को बचाने के लिए अब्दल्ला को अचानक ब्रेक लगानी पड़ी, जिससे कार अनियंत्रित होकर पलट गई। अब्दुल्ला को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कौवापुर में भर्ती कराया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

कार्यालय नगर पंचायत गायघाट-बस्ती।

अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त सम्बन्धित ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत गायघाट बस्ती में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निर्माण कार्य कराये जाने हेतु मोहरबन्द निविदा दिनांक 11–03–2024 समय ३:०० बजे दिन तक, कार्यालय जिलाधिकारी बस्ती एल०बी०सी० पटल पर आमंत्रित किया जाता है तथा प्राप्त निविदाओं को उसी दिन समय 4:०० बजे दिन में प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय बस्ती द्वारा उपस्थित ठेकेदारों / प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र की विक्री दिनांक 11–03–2024 समय 2:00 बजे तक नगर पंचायत गायघाट बस्ती कार्यालय पर की जायेगी। यदि इस सन्दर्भ में इसके अतिरिक्त कोई अन्य सूचना/जानकारी चाहते है तो दिनांक 11–03–2024 समय 1:०० बजे दिन तक नगर पंचायत गायघाट कार्यालय से ज्ञात कर सकते है। विवरण निम्नलिखित है।

क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू० में)	घरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मु०	कायर्यादेश अवधि
1	वार्ड न0 03 गांधी नगर पंचायत गायघाट में 5 सीटर पुरुष / महिला / बच्चे व दिव्यांगजन हेतु सार्वजनिक शौचालय व 1 अदद यूरीनल का निर्माण कार्य।	8.46	10% प्रतिशत	800	03 माह
2	नगर पंचायत वार्ड न० 4 अटल नगर गायघाट में 5 सीटर पुरुष / महिला / बच्चे व दिव्यांगजन हेतु सार्वजनिक शौचालय व 1 अदद यूरीनल का निर्माण कार्य।	8.46	10% प्रतिशत	800	03 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गायघाट
जनपद–बस्ती।
पत्रांकरू 552 / न०पं०गा0/2023–24

अध्यक्ष
नगर पंचायत गायघाट
जनपद–बस्ती।
दिनांक 05–03–2024

मिला गोवंश का अवशेष, मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बुधवार की सुबह नरेन्द्रपुर के कुछ लोग गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास गए। वहां उन्होंने एक स्थान गोवंश कुछ अवशेष देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर उप जिलाधिकारी डुमरियागंज संजीव दीक्षित पुलिस क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज अखिलेश वर्मा व पथरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मौके पर जांच पड़ताल में जुट गई है। पथरा थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदी (नरेन्द्रपुर) स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय के मैदान में बुधवार की सुबह गोवंश का अवशेष मिला है। घटना स्थल से थोड़ी दूरी पर एक बाइक, कुछ कपड़े व एक बोरी मिली है। पुलिस कर्मियों ने बाइक व बोरी को अपने कब्जे में ले लिया है। माना जा रहा है कि बाइक गोवध करने वालों की है। लोगों को घटनास्थल के पास आता देख वह यहां पर अपनी बाइक छोड़ भाग निकले होंगे। घटना मंगलवार रात की बतायी जा रही है। पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच के लिए तीन टीमें गठित कर दी गई हैं।

बुधवार की सुबह नरेन्द्रपुर के कुछ लोग गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास गए। वहां उन्होंने एक स्थान गोवंश कुछ अवशेष देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर उप जिलाधिकारी डुमरियागंज संजीव दीक्षित, पुलिस क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज अखिलेश वर्मा व पथरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने टीम ने मौके पर मौजूद बाइक, कपड़े व बोरी को कब्जे में ले लिया। मांस के टुकड़ों की जांच के लिए उसे एकत्रित कर लिया। अवशेष से ही पुलिस कर्मियों को स्पष्ट हो गया कि यह गोवंश का खंड–विक्षत शव है। पुलिस क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज ने बताया कि मामले को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। इसमें एक पथरा थाने की टीम है। आरोपितों के विरुद्ध गैंगेस्टर व गुंडा एक्ट की कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा प्रत्याशियों की हर गतिविधियों पर रहेगी नजर

संवाददाता–गोरखपुर। अब यह कैमरे लोकसभा चुनावों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आपरेशन त्रिनेत्र के तहत जिले में सीसी 17487 स्थानों पर सीसी कैमरे हैं। इसमें 200 से अधिक महिला थाने के पास बने कंट्रोल रूम से जुड़े हैं जिन स्थानों पर सीसी कैमरे नहीं लगे हैं उसे आपरेशन त्रिनेत्र के मैप पर डाउनलोड किया गया है। थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि चिह्नित स्थान पर कैमरे लगवाएं। आमजन से भी पुलिस अपील कर रही है कि जहां सीसी कैमरे न हो उसकी जानकारी स्थानीय थाना प्रभारी को दें।

अपराधियों की पहचान में कारगर बने सीसीटीवी कैमरे जहां काफी हद तक अपराधिक घटनाओं का पर्दाफाश कराए वहीं अब ये कैमरे आगामी लोकसभा चुनाव में चुनाव आचार संहिता भी सख्ती से पालन करेंगे। मालूम हो की गोरखपुर जोन के पूर्व एडीजी अखिल कुमार ने जिले में त्रिनेत्र अभियान की शुरुआत की थी, जिसके तहत हर चौराहों, घरों, गांवो में बड़े पैमाने पर कैमरे लगे थे।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार का धंधा, पुलिस ने मारा छापा

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या शहर में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार चल रहा था। सेंटर रामपथ पर नियांवा चौराहे से चंद कदम की दूरी पर स्थित था। कई दिनों से इसका प्रचार सोशल मीडिया पर चल रहा था। इसी को आधार बनाकर बुधवार को पहुंची पुलिस ने स्पा सेंटर के संचालक व उसकी महिलाकर्मी सहित अन्य सहयोगियों पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की मानें तो सेंटर की आड़ में देह व्यापार का यह धंधा कई महीनों से चल रहा था। कैंट थाना के उपनिरीक्षक शिवानंद यादव ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। शहर में मसाज पार्लर के नाम पर देह व्यापार की शिकायत पुलिस को लगातार मिल रही है। बीते दिनों कोतवाली नगर पुलिस ने भी रिकाबगंज क्षेत्र के एक व्यवसायिक भवन में छापेमारी की थी, लेकिन वहां कोई नहीं मिला था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियांवा क्षेत्र में ही तीन स्थानों पर स्पा सेंटर के नाम पर अवैध कार्य हो रहा था, लेकिन इस कार्रवाई के बाद सब भाग निकले हैं। कैंट थाना प्रभारी संजय मौर्य ने बताया कि तीन नामजद सहित अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रकरण की जांच की जा रही है।

राममंदिर का मुख्य शिखर 300 दिन में तैयार होगा,161 फीट ऊंचे शिखर पर सोने की परत चढ़ाई जाएगी

संवाददाता–अयोध्या। राममंदिर के मुख्य शिखर का निर्माण तेजी के साथ हो रहा है। इसे इस साल दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के मुख्य शिखर और एक अन्य शिखर को बनाने का काम तेजी से चल रहा है। इन दोनों शिखर को बनाने का काम दिसंबर–2024 तक पूरा करने का टारगेट रखा गया है। यानी ये शिखर 300 दिन में बनकर तैयार हो जाएंगे। मंदिर का मुख्य शिखर 161 फीट ऊंचा बनाया जा रहा है। इस पर सोने की परत चढ़ाई जाएगी। बता दें कि राम मंदिर में कुल 5 शिखर होंगे। इनमें 3 शिखर प्राण प्रतिष्ठा से पहले तैयार हो चुके हैं।

10 मार्च को अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय मैराथन

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में 10 मार्च को रन फार रामा मैराथन का आयोजन किया गया है। अयोध्या में 10 मार्च को शहर में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की मैराथन श्रन फॉर रामश आयोजित होने जा रहा है। जिसमें 8,000 से 10,000 लोगों की भागीदारी की उम्मीद है। इस आयोजन का उद्देश्य लोगो को श्री राम के जीवन तथा उनकी शिक्षाओं से जोड़ना है। यह सिर्फ एक स्थानीय कार्यक्रम नहीं बल्कि एक वैश्विक सभा है जो अयोध्या को मैराथन के विश्व मानचित्र पर एक प्रमुख बिंदु के रूप में दर्शाती है।

सामान्य से नीचे है दिन के साथ रात का पारा

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वी यूपी में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर अब तक बना हुआ है। तीन दिन पहले हुई बारिश व ओले गिरने के बाद से दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया। रात के न्यूनतम तापमान में भी गिरावट हुई है।

बुधवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस नीचे रहा है। इससे पहले मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे था। मंगलवार को अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस था। वहीं बुधवार को न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक आसमान में बादलों के छोटे टुकड़े मौजूद रहेंगे। हालांकि बारिश होने की संभावना नहीं है। दिन व रात के तापमान में इजाफा हो सकता है।

सड़क–नाली न बनने से आर्यपुरम के लोगों में नाराजगी

संवाददाता–गोरखपुर। करीब दो साल से सड़क–नाली न बनने से वार्ड संख्या 17 शिवपुर की आर्यपुरम कॉलोनी के लोगों में नाराजगी है। मोहल्ले के लोगों ने दीवारों पर 'सड़क नहीं तो वोट नहीं, के नारे लिखा पोस्टर चस्पा किए हैं। कॉलोनीवासी 300 मीटर लम्बी इंटरलाकिंग सड़क को सीसी बनाने, जलनिकासी के लिए नालिया और विद्युत आपूर्ति के लिए एबीपी लगाने की मांग कर रहे हैं।

कॉलोनी में रहने वाले जीएसटी आफिस में निरीक्षक अतुल सिन्हा ने बताया कि पेयजल आपूर्ति की पाइपलाइन डालने के दौरान इंटरलाकिंग सड़क को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। दो साल पहले सदर सांसद रवि किशन, तत्कालीन नगर आयुक्त अविनाश सिंह एवं निवर्तमान महापौर सीताराम जायसवाल को पत्र देकर सड़क, नाली एवं विद्युत आपूर्ति के लिए मांग की थी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि पूरी कॉलोनी ने तय किया है कि सड़क नहीं बनी तो लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे। इसके लिए कॉलोनी में पोस्टर भी चस्पा किया गया है। सेवानिवृत एमके रमन ने बताया कि प्रापर्टी डीलर ने 2000 में भूखण्ड बेचकर कॉलोनी को विकसित किया था। वर्तमान में यहां 25 घर बने हुए हैं। संवेदना हास्पिटल के सामने से गोलंबर होते हुए जेल बाइपास जाने वाली सड़क पर 300 मीटर लम्बाई में सड़क, नाली बनाने की मांग है। लेकिन न स्थानीय पार्षद सुन रहे हैं, न ही नगर निगम और बिजली निगम के अधिकारी। स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया से सेवानिवृत एके राय कहते हैं कि सड़क क्षतिग्रस्त होने से कॉलोनी के लोगों को काफी मुश्किलें उठानी पड़ रही हैं। ऐसी ही प्रतिक्रिया स्थानीय नागरिक रामआशीष सिंह, केके श्रीवास्तव, सियाराम गुप्ता की भी है।

आटो चालक ने की खुदकुशी

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर इलाके के पादरी बाजार स्थिति सुंदर नगर कॉलोनी में मंगलवार की रात ऑटो चालक ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। आरोप है कि पत्नी के उकसाने पर ऑटो चालक ने आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों ने शाहपुर पुलिस को पत्नी के खिलाफ प्रार्थना–पत्र दिया है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के पादरी बाजार चौराहा स्थित सुंदर नगर कॉलोनी निवासी संदीप चौहान (27) ऑटो चलाता था। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी शादी चार साल पहले गोरखनाथ इलाके के 10 नंबर बोरिंग स्थित बनकटवा निवासी जम्मू राज चौहान की पुत्री अदिति राज से हुई थी। लोगों ने बताया कि आपसी मनमुटाव की वजह से उसकी पत्नी इस समय अपने मायके में है। पति–पत्नी के बीच परिवार न्यायालय में केस चल रहा है। संदीप अपनी पत्नी को घर लाना चाहता था। लेकिन, वह आने के लिए तैयार नहीं थी, जिसके लिए कई बार सुलह समझौता भी हुआ था। मंगलवार की देर शाम संदीप ऑटो चलाकर घर पहुंचा और सीधे अपने कमरे में चला गया। बताया जा रह फोन से अपनी पत्नी से बात भी की। अंदेशा जताया कि इसी के बाद फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। क्योंकि 8:30 बजे करीब उसके परिजन भोजन के लिए गए तो दरवाजा अंदर से बंद था, काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो खिड़की से देखा तो होश उड़ गए। उसका शव गमछे के सहारे फंदे से लटक रहा था। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे और पुलिस को सूचना दी।

धुरियापार एथेनाल यूनिट के बगल में स्थापित होगी अडानी की सीमेंट फैक्ट्री, होगा 1000 करोड़ का निवेश

संवाददाता–गोरखपुर। देश का प्रतिष्ठित अडानी ग्रुप धुरियापार चीनी मिल परिसर में 65 एकड़ एरिया में सीमेंट की फैक्ट्री स्थापित कर सकता है। ग्रुप के द्वारा जमीन पसंद किये जाने पर गीडा सीईओ ने चीनी मिल की जमीन उपलब्ध कराने को लेकर जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। जमीन को लेकर निर्णय शासन स्तर पर होना है। अधिकारियों को उम्मीद है कि जमीन को लेकर औपचारिकता जल्द पूरी हो सकती है। पिछले वर्ष गीडा के स्थापना दिवस के दौरान अडानी ग्रुप द्वारा सीमेंट फैक्ट्री को लेकर सहमति जताई थी। गीडा द्वारा कई जमीनें दिखाई गई थी, लेकिन कंपनी को रेल लाइन की उपलब्धता वाले जमीन की डिमांड की थी। इसी को देखते हुए पिछले दिनों कंपनी के प्रतिनिधियों ने सहजनवा–दोहरीघाट प्रस्तावित रेललाइन के किनारे बनवारपार से उरुवा क्रॉसिंग के बीच की जमीन देखी थी। कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा इस जमीन को लेकर अपनी सैद्धांतिक सहमति भी दे दी थी। लेकिन अब कंपनी के प्रतिनिधियों ने धुरियापार चीनी मिल की जमीन को पसंद किया है। इसी परिसर में एथेनाल प्लांट है। परिसर में बची हुई 65 एकड़ जमीन में अडानी ग्रुप सीमेंट की फैक्ट्री लगाना चाहता है। इसे लेकर कंपनी ने एक पत्र गीडा प्रशासन को दिया है। कंपनी के प्रतिनिधियों की दलील है कि सीमेंट फैक्ट्री के लिए ऐसी जमीन चाहिए थी, जहां तक रेलवे वैगन से कच्चा माल जा सके और तैयार माल भी दूसरे शहरों को भेजा जा सके। बता दें कि अडानी ग्रुप सीमेंट की फैक्ट्री में करीब 1000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इससे दक्षिणांचल में औद्योगिक विकास के सूर्य का उदय होगा और करीब 1000 लोगों को सीधा रोजगार भी मिलेगा।

गीडा सीईओ अनुज मलिक ने बताया कि अडानी ग्रुप ने सीमेंट की फैक्ट्री के लिए धुरियापार चीनी मिल परिसर में जमीन देखी है। प्रस्तावित रेल लाइन के पास उन्हें जमीन पसंद है। जमीन आवंटन को लेकर जिलाधिकारी को पत्र लिखा गया है। जमीन को लेकर निर्णय शासन स्तर पर होना है।

अयोध्या से उत्तराखंड के लिए सीधी उड़ान शुरू कुल नौ शहरों के लिए मिलेंगी 22 उड़ानें

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या से दूसरे राज्यों के लिए बहुत ही सस्ते किराये पर लोग हवाई सफर कर सकेंगे। दो हजार रुपये से भी कम कीमत पर एक से दूसरे राज्य का सफर पूरा हो पाएगा। एयर कनेक्टिविटी योजना के तहत अयोध्या, अमृतसर और पंतनगर से बनारस, देहरादून के बीच बुधवार से विमान सेवा शुरू हो गई।

इस सेवा के तहत 20 मार्च तक देहरादून से अयोध्या का किराया महज 1999 रुपये रहेगा। इसके अलावा पंतनगर, वाराणसी और अमृतसर के लिए उद्घाटन के दिन 1999 रुपये किराया रहेगा। इन सभी उड़ानों का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जौलीग्रांट से किया। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित जौलीग्रांट एयरपोर्ट से देश के तीन धार्मिक महत्व के शहर अयोध्या, वाराणसी, अमृतसर से नियमित उड़ान से जुड़ने जा रहा है। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि नागरिक उड्डयन विभाग ने इन उड़ानों का शेड्यूल और किराया तय कर लिया है। सरकार ने अयोध्या जाने वाली उड़ान के किराये 7006 रुपये में बड़ी छूट देते हुए 20 मार्च तक 1999 रुपये रखने का निर्णय लिया है। इससे अयोध्या और श्री राम मंदिर दर्शन करने वालों को प्रति टिकट पर 5000 का लाभ मिलेगा। देहरादून से अमृतसर, वाराणसी और पंतनगर की उड़ान का किराया उद्घाटन के दिन और सात मार्च को 1999 रुपये रहेगा। वहीं, अयोध्या के लिए हर सप्ताह सोमवार, बुधवार–शुक्रवार को फ्लाइट उड़ेगी। छूट सिर्फ 20 मार्च तक के शेड्यूल के पर रहेगी, इसके बाद पूरा किराया लिया जाएगा।

देहरादून से पंतनगर का किराया 4500 रुपये, पंतनगर से वाराणसी का किराया 6400 रुपये निर्धारित किया गया है। दोनों जगह उद्घाटन उड़ान के बाद 23 मार्च से नियमित उड़ानें मंगलवार, गुरुवार तथा शनिवार से उड़ेंगी। देहरादून से अमृतसर के लिए हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान नियमित उड़ानें प्रत्येक सप्ताह सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उड़ेंगी। यहां नियमित उड़ान का किराया 4850 रुपये तय किया गया है।

गोली–बोली से हथिया लेते थे जमीन, अब खोज रहे ठौर–ठिकाना

संवाददाता–गोरखपुर। समय सबका हिसाब रखता है। कभी गोली और दबंगई के बल पर वे किसी की भी जमीन हथिया लेते थे। सत्ता और व्यवस्था के दमखम से दूसरे की संपत्तियां छीन लेते थे। हालात बदले तो लंबे समय अंडरग्राउंड रहकर माफिया ने धंधे चलाए। उस पर भी सख्ती शुरू हुई तो जेलों में दुबके या फिर शहर छोड़कर नेपाल–बिहार में जा छिपे। अब चुनावी समर से पहले पुलिस और प्रशासन के अफसरों ने इन माफिया की खैर–खबर लेनी शुरू की तो पता लगा कि कोई रसूखदारों के सहारे तो कोई उनके विरोधियों की अंगुली पकड़कर अपनी नैया पार लगाने की जुगत में है। जिले के टॉप टेन बदमाशों की सूची में शामिल माफिया अजीत शाही, सुधीर सिंह हों या फिर सीलिंग की जमीन बेचकर अकूत संपत्ति खड़ा करने वाला कमलेश यादव, दीनानाथ, पुलिस–प्रशासन की सख्ती की वजह से सभी शहर छोड़कर फरार हैं।

पुलिस–प्रशासन की सख्ती के बीच इन सभी में से किसी का भी नए अपराध में नाम नहीं आया है। इस बीच माफिया राकेश का नाम आया तो वह भी उस महिला को हड़काने के लिए, जिसने उस पर केस दर्ज कराया है। कोऑपरेटिव बैंक में जाकर धमकी देने के मामले में माफिया अजीत शाही का नाम लंबे समय बाद 12 मई 2023 को सामने आया था। इस मामले में शाहपुर थाने में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच शुरू की तो परतें खुलने लगीं। पता चला कि सपा–बसपा से जुड़ा रहा अजीत शाही नाम बदलकर अजीत वीर विक्रम सिंह बनकर खुद को शरीफ दिखाता था। फिर इस मामले में भी गीडा थाने में केस दर्ज किया गया और माफिया की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दबिश देनी शुरू की तो वह पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में हाजिर हो गया। अब अजीत शाही जमानत पर रिहा है। कैंट पुलिस की मानें तो उसके घर पर सत्यापन के दौरान यही पता चलता है कि अब वह बाहर रहता है। उसकी अवैध कमाई से अर्जित की गई संपत्ति पर बुलडोजर भी चल चुका है और खाली कराई जमीन पर नगर निगम पेट्रोल पंप खोलने की तैयारी में है। बताया तो यह भी जाता है कि वह एक ऐसे मजबूत शख्स के शरण में जाने की जुगत में है, जिससे उसे पुलिस प्रशासन से राहत मिल जाए। उधर, पुलिस उसके मामलों में सजा कराने की पैरवी कोर्ट में कर रही है।

सीलिंग की जमीन बेचकर आईटीआई कॉलेज का मालिक बने जालसाज कमलेश यादव, मैरिज हाउस का मालिक दीनानाथ ने कई लोगों से ठगी की। जमानत पाने के बाद कमलेश यादव फरार है। बताया जा रहा है कि वह झारखंड में छिपा है, अब गलती से भी गोरखपुर नहीं आना चाह रहा है। कोर्ट में चल रहे केस की पैरवी कराता है, लेकिन पुलिस कई मामलों में उसकी तलाश कर रही है। दीनानाथ के मैरिज हाउस पर बुलडोजर चला तो आईटीआई कॉलेज को खाली कराकर जब्त कर लिया गया। दोनों की कीमती जमीन, मकान सब को गैंगस्टर के तहत जब्त कर लिया गया। इन दोनों ने मिलकर बिहार और गोरखपुर के कई लोगों को सीलिंग की जमीन बेची है। अब इनके बाराबंकी में बन रहे होटल की जानकारी मिली है। गैंगस्टर एक्ट के तहत गोरखपुर पुलिस ने उसे भी जब्त करने के लिए पत्राचार किया है, लेकिन तीन महीने बीते जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो सकी है। पुलिस की ओर से लगातार रिमाइंडर भेजा रहा है, ताकि आरोपियों पर कार्रवाई हो सके। दूसरे की जमीन पर कब्जा करके अपना बताने वाला माफिया विनोद उपाध्याय का कारनामा भी सामने आया तो पुलिस ने एक–एक कर कई केस दर्ज किए। बसपा के टिकट पर शहर से विधायकी का चुनाव लड़ चुका फरार विनोद चुनावी जोड़तोड़ में लगा था कि मुठभेड़ में मारा गया।

पता चला कि उसके इस काम में उसका भाई संजय उपाध्याय भी उतना ही हिस्सेदार है, जितना खुद विनोद उपाध्याय। इसके बाद पुलिस ने कुंडली खंगाली और रंगदारी, कब्जा करने सहित कई केस दर्ज किए। गैंगस्टर की कार्रवाई हुई, इनाम घोषित हुआ तो संजय तो पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में हाजिर हो गया, लेकिन विनोद उपाध्याय पुलिस को चकमा देकर भागता रहा। एक लाख रुपये तक का इनामी होने के बाद उसे एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। विनोद के अंत के साथ ही अपराध में पनप रहे लोगों ने गोरखपुर से दूरी भी बना ली। लेकिन, उसके भाई संजय के शाहपुर थाने के पास की संपत्ति अब भी बच गई है। इसे लेकर पुलिस की ओर से राजस्व विभाग से पत्राचार किया गया है, ताकि उस संपत्ति के बारे में सही जानकारी मिले और फिर गैंगस्टर एक्ट के तहत उस पर भी कार्रवाई की जा सके। फिलहाल, अभी संजय की इस संपत्ति के बारे में सटीक जानकारी नहीं मिल पाने की वजह से पुलिस ने कार्रवाई को आगे नहीं बढ़ाया है।

जमीन कब्जाने के आरोपों से घिरा माफिया सुधीर सिंह वर्तमान में आजमगढ़ जेल में बंद है। सहजनवा विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके सुधीर की करोड़ों की संपत्ति पर पुलिस–प्रशासन कार्रवाई कर चुकी है। गैंगस्टर एक्ट के तहत सभी संपत्तियां जब्त हो चुकी हैं, कुछ और टारगेट पर हैं, जिसका लेखा–जोखा भी तैयार कर लिया गया, लेकिन इसी बीच सुधीर किसी के शरण में पहुंचने में कामयाब हो गया। हालांकि, प्रशासन ने अभी कार्रवाई बंद नहीं की है। वह जिन संपत्तियों को पैतृक बताया था, उसका ब्योरा नए सिरे से जुटाया जा रहा है। खबर है कि इसपर जल्द ही कार्रवाई भी संभव है। माफिया सुधीर सिंह किसी ऐसे ताकतवर की शरण में जाने को बेताब है, ताकि उसे अभयदान मिल सके। लेकिन फिलहाल ऐसा होता संभव नहीं दिख रहा है। पुलिस उसके केस की लगातार कोर्ट में पैरवी करा रही है। बाहर से आकर भी कई दरोगा, सिपाही इसके खिलाफ बयान दर्ज करा चुके हैं। माफिया राकेश यादव भी दूसरों की जमीन पर कब्जा करके उसे अपना बना लेता था या फिर जमीन मालिक को इस कदर मजबूर कर देता था कि वह औने–पौने दाम में अपनी जमीन बेचने को मजबूर हो जाए। पुलिस ने टॉप टेन बदमाशों पर जब अभियान चलाना शुरू किया तो इसकी भी कलई खुलकर सामने आ गई। बसपा से जुड़े रहे राकेश के गुलरिहा इलाके में अवैध तरीके से बने मकान पर प्रशासन का बुलडोजर चल गया। वर्तमान में राकेश यादव मऊ जेल में बंद है, लेकिन उसके गुर्गे पर तीन दिन पहले ही एक महिला और उसकी बेटी को धमकाने का केस दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि जमानत पर बाहर आया गुर्गा जमीन कब्जा करने के केस दर्ज कराने वाली महिला को केस वापसी के लिए धमका रहा था।

कोर्ट परिसर में इस तरह की घटना होने के बाद कैंट पुलिस ने तत्काल आरोपी पर केस दर्ज कर लिया और उसकी तलाश में जुटी है, लेकिन वर्तमान में उसका साथी सुधीर साहनी फरार है। राकेश के खिलाफ भी तीन केस में पुलिस ने कोर्ट में साक्ष्यों के साथ पैरवी तेज कर दी है। एसएसपी गौरव ग्रोवर ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप आम लोगों को परेशान करने वाले जिन भी माफिया का नाम सामने आया है, पुलिस सभी पर केस दर्ज कर कार्रवाई की है। सभी पर गैंगस्टर का केस दर्ज कर उनके अपराध से अर्जित की गई संपत्ति को जब्त किया गया। कइयों पर बुलडोजर भी चला। टॉप टेन बदमाशों के कोर्ट में ट्रायल पर चल रहे केस भी पुलिस साक्ष्यों के साथ पैरवी कर रही है, ताकि उन्हें कोर्ट से सजा दिलाई जा सके।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम दीप्ति श्रीवास्तव पुत्री श्री दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव पता–मकान नम्बर 602 आवास विकास कालोनी पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) है। शैक्षणिक प्रमाण–पत्र में मेरा नाम दीप्ति स्टार अंकित है जो गलत है। मेरा नाम दीप्ति श्रीवास्तव है और मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

नाम संशोधन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रूबी वर्मा पुत्री श्री हरिश्चन्द्र वर्मा, ग्राम– जगन्नाथपुर पोस्ट–लालगंज जनपद बस्ती की निवासिनी हूं। मेरे हाईस्कूल के अंक पत्र में मेरा एवं मेरे माता, पिता के नाम में गलती होने के वजह से संशोधन करवाया गया। मेरे नाम में Km. RUBI के स्थान पर Km. RUBY एवं पिता HARI CHANDRA VERMA के स्थान पर HARISH CHANDRA VERMA माता ISRAWATI DEVI के स्थान पर ISRAWATI करवाया गया है। अब मुझे Km. RUBY पुत्री HARISH CHANDRA VERMA एवं माता ISRAWATI के नाम से जाना व पहचाना जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति० सिविल जज (जू०डि०) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं० 888 / 2019

राजेन्द्र आदि

बनाम

रामजनक आदि

2. रज्जू 3. सुरेश 4. राकेश 5. अमरनाथ पुत्रगण रामजनक साकिन रूपगढ़ तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तायद में इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं. 193 / 2023

कंचनलता–सायलान

1. कंचनलता आयु 36 वर्ष पत्नी विनय कुमार पाण्डेय 2. रिद्धी पाण्डेय आयु 13 वर्ष पुत्री विनय कुमार पाण्डेय जरिये संरक्षक माता 3. पंचरती आयु 67 वर्ष पत्नी शिवनरायण पाण्डेय समस्त निवासीगण ग्राम पड़री तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–04–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 09–04–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com